संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, रविवार, 31 दिसंबर 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

उत्तराखण्ड संस्करण

वर्षः 14 अंकः 350 पृष्ठः 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

RKB

Rakesh Bhardwaj Group

अद्भुत, अलौकिक अयोध्या धाम...

= मोदी जो कहता है उसे पूरा करने के लिए जीवन खपा देता है : पीएम = पीएम मोदी ने की देश की जनता से अपील, 22 जनवरी को घर घर जलाएं रामज्योति, जगमग हो भारत, कहा- विकसित भारत के निर्माण को अयोध्या नगरी से मिल रही नई ऊर्जा, विकास और विरासत की साझा ताकत भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी : मोदी

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

मोदी की गारंटी में इतनी ताकत इसलिए है क्योंकि मोदी जो कहता है, उसे पूरा करने के लिए अपना जीवन खपा देता है। दिन और रात एक कर देता है। अयोध्या नगरी इस बात की साक्षी है। ये बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास जनसभा स्थल से अपने संबोधन में कहीं। प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने 15700 करोड़ की 46 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने अयोध्या धाम जंक्शन और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का लोकार्पण करने के साथ ही 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री को बाल रामलला की मूर्ति भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही अयोध्या धाम जंक्शन और बदलती अयोध्या पर आधारित वृत्तचित्रों का भी प्रधानमंत्री ने अवलोकन किया।

भारत के कण-कण और जन-जन का पुजारी हूं : अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने अयोध्यावासियों को भरोसा दिलाया कि इस पवित्र धाम के विकास में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। ऐसे में अयोध्या वासियों में ये उत्साह उमंग बहुत स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे भारत की मिट्टी के कण कण और भारत के जन जन के पुजारी हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी अपकी तरह उतना ही उत्सुक हूं।

अयोध्या नगरी से मिल रही विकसित भारत के अभियान को ऊर्जा: प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी देश हो अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना होगा। हमारी विरासत हमें प्रेरणा देती है। हमें सही मार्ग दिखाती है। आज का भारत पुरातन और नूतन को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं बल्कि देश के चार करोड़ गरीबों को भी मिला है। भारत अपने तीर्थों को संवार रहा है तो वहीं डिजिटल टेक्नोलॉजी में भारत छाया हुआ है। काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निमाण के साथ ही 30 हजार से ज्यादा पंचायत भवन भी बना रहा है। सिर्फ केदारधाम का पुनरोद्धार ही नहीं 300 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज भी देश में बने हैं। सिर्फ महाकाल के लोक का ही निर्माण नहीं हो रहा, बल्कि स्वच्छ पेयजल के लिए दो लाख से ज्यादा टंकियों का भी निर्माण हुआ।

अयोध्या के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हुई 30 दिसंबर की तारीख

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

दिव्य नव्य व भव्य अयोध्या के त्रेतायुगीन वैभव को लौटाने का जो संकल्प पीएम मोदी ने लिया उसे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल क्रियान्वयन में पूर्ण किया जा रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव व केंद्रीय नागर विमानन व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संबोधन में पीएम के विजन और सीएम योगी के कुशल क्रियान्वन की जमकर तारीफ की।

मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया नव्य अयोध्या धाम

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

अयोध्या के इतिहास में 30 दिसंबर 2023 की तिथि स्वर्णाक्षरों में लिख दी गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को पुनर्विकसित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की सौगात दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुनर्विकसित अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली, अमृतसर-नई दिल्ली, कोयम्बटूर-बेंगलुरु, मंगलूरु-मडगांव, जालना-मुंबई एवं अयोध्या-आनंद विहार टर्मिनल के बीच 6 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, अयोध्या-दरभंगा एवं मालदा टाउन-बेंगलुरु के बीच 2 अमृत भारत ट्रेन की सौगात दी।

ट्रेन के कोच में बच्चों से किया संवाद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन के कोच में जाकर बच्चों से संवाद भी किया। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। किसी ने पीएम मोदी को कविताएं सुनाईं तो किसी ने अपने संस्मरण भी बताए। पीएम ने हाथ हिलाकर बच्चों, कर्मचारियों का अभिवादन भी किया।

अयोध्या में दिख रहा विरासत और विकास का अनूठा संगम

केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि आज अयोध्या विश्व से जुड़ रही है। 22 जनवरी के पूर्व 30 दिसंबर की तिथि भी अयोध्या जी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पीएम के विजन के कारण अयोध्या में विकास की बयार बह रही है। पीएम द्वारा आज अयोध्या धाम स्टेशन का उद्घाटन किया गया जो अयोध्या की विरासत को सहेजने के साथ ही नई सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया को दर्शाता है।

अनंत काल तक रहेगा अयोध्या में श्रीराम मंदिर: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या में विकास की भव्यता दिख रही है, कुछ दिन बाद विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। उन्होंने कहा कि विकास और विरासत की साझा ताकत ही भारत को 21वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी का ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हमारे जीवन में आने वाला है। पीएम मोदी ने प्रभु श्रीराम की नगरी से 140 करोड़ देशवासियों से हाथ जोड़कर प्रार्थना की कि 22 जनवरी को अयोध्या आने का प्रयास ना करें, इसकी जगह जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम विराजमान हों, तो सभी लोग दीपावली मनाएं और अपने अपने घरों में श्रीरामज्योति जलाएं। 22 की शाम पूरा हिन्दुस्तान जगमग होना चाहिए। उन्होंने अपील की कि जब हमने साढ़े पांच सौ साल इंतजार किया है तो कुछ दिन और इंतजार करना होगा।

'14 से 22 तक देश के सभी छोटे बड़े मंदिरों में चले स्वच्छता अभियान'

प्रधानमंत्री ने अयोध्यावासियों से आग्रह भी किया कि आपको आपको देश और दुनिया के अनगिनत अतिथियों के स्वागत लिए तैयार होना होगा। अब यहां अनंत काल तक लाखों की संख्या में आते रहेंगे। ऐसे में अयोध्यावासियों को संकल्प लेना होगा कि अयोध्या नगर को भारत का सबसे स्वच्छ शहर बनाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री ने देश के सभी तीर्थस्थलों और सभी छोटे बड़े मंदिरों से आग्रह किया कि 14 जनवरी से 22 जनवरी तक स्वच्छता अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि प्रभु राम पूरे देश के हैं, वो जब आ रहे हैं तो हमारे एक भी मंदिर और तीर्थस्थल के आस पास गंदगी नहीं होनी चाहिए।

राजस्थान में मंत्रिमंडल का विस्तार

किरोड़ी लाल मीणा और राज्यवर्धन राठौड़ समेत 22 विधायक बने मंत्री

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

राजस्थान में सीएम भजनलाल शर्मा के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। मंत्रिमंडल में पहली बार और दूसरी बार चुने गए विधायकों को शामिल किया गया है।

22 विधायकों ने ली शपथ: शनिवार को यहां राजभवन में एक समारोह के दौरान 22 भाजपा विधायकों ने राजस्थान सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली। इस दौरान 12 ने कैबिनेट मंत्री, पांच ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और पांच ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

समारोह के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई।

किरोड़ी लाल मीना समेत 12 मंत्रियों ने ली शपथ: राजस्थान मंत्रिमंडल में किरोड़ी लाल मीना, मदन दिलावर, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गजेंद्र सिंह खींवसर, बाबूलाल खराड़ी, जोगाराम पटेल, सुरेश सिंह रावत, अविनाश गहलोत, जोराराम कुमावत, हेमंत मीना, कन्हैया लाल चौधरी और सुमित गोदारा को कैबिनेट का हिस्सा बनाया गया है। वहीं, श्रीकरणपुर से बीजेपी प्रत्याशी रहे सुरेंद्रपाल टीटी विधायक बनने से पहले मंत्री बनाए गए हैं।

इन विधायकों ने ली शपथ: सिरोही विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले ओटाराम देवासी ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इनके साथ, मंजू बाघमार, विजय सिंह चौधरी, केके विश्नोई और जवाहर सिंह बेढम ने राज्यमंत्री के तौर पर ली शपथ। संजय शर्मा, गौतम कुमार, झाबर सिंह खर्रा, सुरेंद्र पाल सिंह और हीरालाल नागर ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।

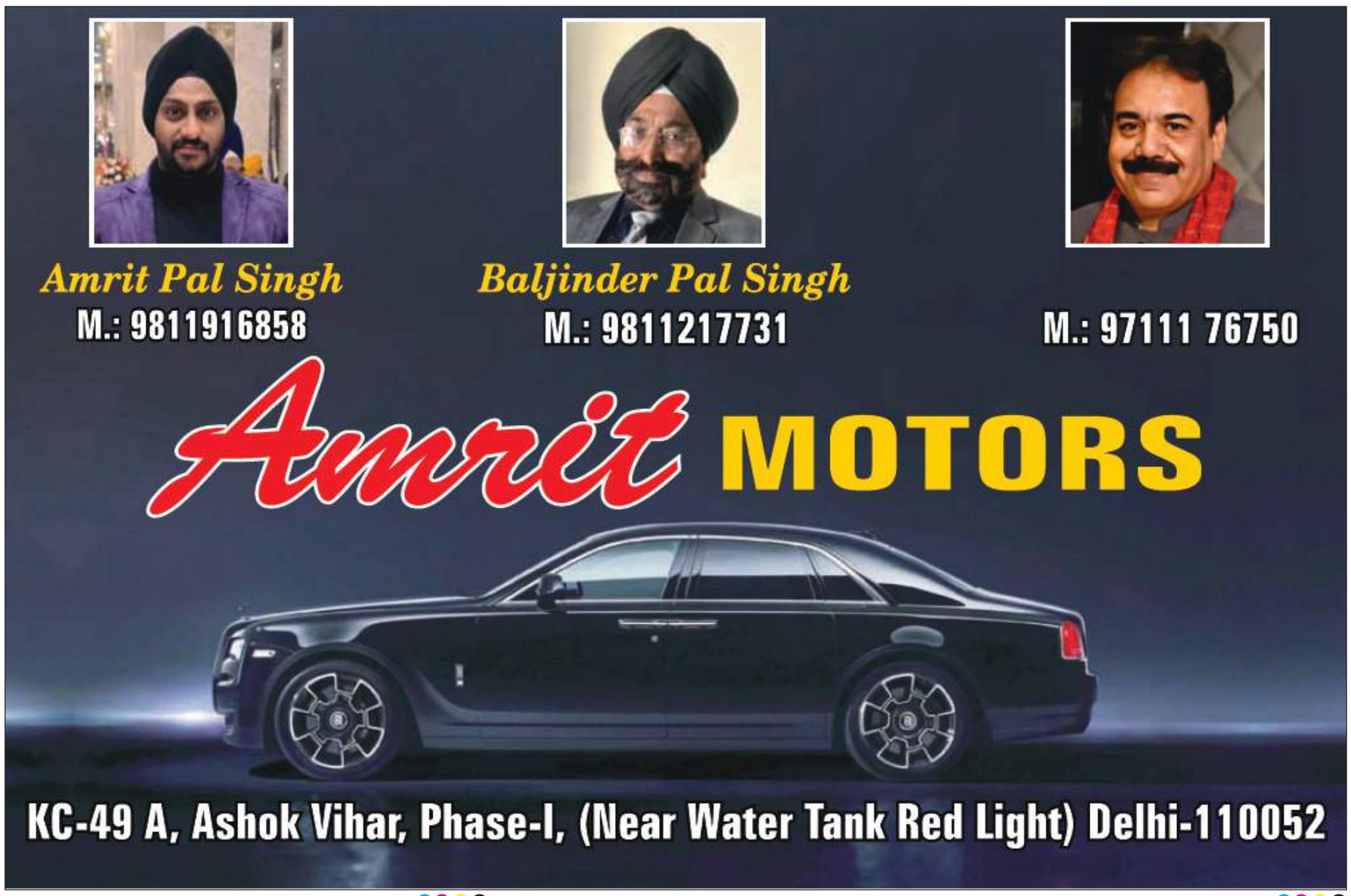

चुनौती का सामना मिलकर करना चाहिए : राज्यपाल गुरमीत सिंह

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल ने कहा कि कोई भी खुशी का समय परिवार के रूप में एक साथ मनाना चाहिए और किसी भी चुनौती का सामना मिलकर करने से परिवार की सार्थकता सिद्ध होती है।
शनिवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने परिवार मिलन कार्यक्रम में राजभवन के समस्त कार्मिकों और उनके परिजनों से मुलाकात की। राज्यपाल ने राजभवन के समस्त कार्मिकों एवं उनके परिजनों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की।

राज्यपाल ने समस्त राजभवन परिवार को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि नववर्ष सभी के लिये अच्छा स्वास्थ्य, शांति एवं सुख-समृद्धि लेकर आए।
राजभवन के परिवार के सभी सदस्यों के साथ मिलकर बेहद प्रसन्नता हो रही है।
राज्यपाल ने कहा कि कोई भी खुशी का समय परिवार के रूप में एक साथ मनाना चाहिए और किसी भी चुनौती का सामना मिलकर ही किया जाना चाहिए तभी परिवार की सार्थकता सिद्ध होती है।
उन्होंने कहा कि राजभवन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से 2023 में राजभवन की गरिमा के अनुरूप उत्कृष्ट कार्य किया गया है। साथ ही कई गणमान्य व्यक्तियों के प्रवास के दौरान को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। उन्होंने कहा कि नववर्ष नए संकल्प के साथ एक नवीन आरंभ का अवसर है। नववर्ष में सभी कार्मिक इसी भावना के साथ अपने कार्य पूरी श्रद्धा और निष्ठा से करते हुए अपने कार्यों में निरंतर उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करें।

सुनिष्ठा सिंह ने जीता मिसेज इंडिया उत्तराखंड टाइटल

सुनिष्ठा ने बताया

8 इस प्रतियोगिता में भाग लेने और समाज सेवा के कार्यों को करने के लिए उनके परिवार का बहुत सहयोग मिलता है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रतियोगिता में देहरादून निवासी सुनिष्ठा सिंह ने तीन टाइटल, मिसेज इंडिया उत्तराखंड, मिसेज इंडिया बोल्ड एंड ब्यूटीफुल, मिसेज इंडिया फोटोजेनिक को जीत कर उत्तराखंड को गौरवांवित किया है है। शनिवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में देश भर के राज्यों से आये कई प्रतिभागियों को पीछे छोड़ कर इन तीनों टाइटलों को जीत कर उत्तराखंड राज्य का नाम रोशन किया है। सुनिष्ठा सिंह एक बेटे की माँ, कम्पनी सेक्रेटरी हैं और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी और द माइंडफुल बीइंग के साथ छात्रों, महिलाओं और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता और बचाव के लिए कार्य करती हैं।सुनिष्ठा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने और समाज सेवा के कार्यों को करने के लिए उनके परिवार का बहुत सहयोग मिलता है। इस जीत के माध्यम से वे लड़कियों और महिलाओं को अपने मनपसंद क्षेत्र में आगे बढ़ने और खुद को साबित करने के लिए संदेश देना चाहती हैं।

12 लाख की स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत जनपद को नशा मुक्त करने व नशा तस्करों के सख्त कार्रवाई करने के लिए एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत बहादराबाद पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से बड़ी मात्रा में स्मैक बरामद किया है।बहादराबाद पुलिस ने चेकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान उन्होंने शक होने पर एक व्यक्ति को रोका। आरोपित की तलाशी लेने पर उसके पास से 120 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम सलीम पुत्र नसीम निवासी गांव बढेडी राजपूतान थाना बहादराबाद हरिद्वार बताया।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए उत्तराखंड की 28 पवित्र नदियों का जल अयोध्या भेजा

कलश

8 पवित्र नदियों के जल से भरा जल कलश विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखंड के प्रांत कार्यालय हरिद्वार लाया गया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
अयोध्या में भगवान रामलला की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भगवान की विग्रह प्रतिमा के अभिषेक हेतु देवभूमि उत्तराखंड की 28 पवित्र नदियों का जल अयोध्या भेजा गया है। गंगा, अलकनन्दा, भागीरथी, विष्णु गंगा, मंदाकिनी, यमुना, राम गंगा, गोरी गंगा, काली गंगा, कोसी, पिंडर नदी आदि का जल भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय पूजन विधि में उपयोग किया जाएगा।देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र नदियों के जल से भरा जल कलश विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखंड के प्रांत कार्यालय हरिद्वार लाया गया। प्रांत कार्यालय पर पवित्र जल कलश का विधिवत पूजनङ्कअर्चन कर आरती की गई। पवित्र जल कलश को अयोध्या पहुंचाने की जिम्मेदारी एक संक्षिप्त कार्यक्रम में सोहन सिंह सोलंकी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री मेरठ क्षेत्र तथा अजय कुमार, प्रांत संगठन मंत्री, उत्तराखंड ने संयुक्त रूप से रंदीप पोखरिया प्रान्त सहमंत्री विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखंड को सौंपी।
विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री सोहन सिंह सोलंकी ने बताया कि उत्तराखंड की 28 पवित्र नदियों के पवित्र जल को अयोध्या भेज जा रहा है। भगवान रामलला की विग्रह मूर्ति का अभिषेक देश की प्रमुख व पवित्र नदियों और जलस्त्रोतों से एकत्र जल से किया जाएगा। देश के सभी प्रांतों से औसतन 200 ग्राम जल तांबे के बर्तन में धार्मिक अनुष्ठान के बाद रखकर अयोध्या भेजा जा रहा है। अयोध्या में संग्रहित जल को एक टैंक में सुरक्षित किया जाएगा, तत्पश्चात इस पवित्र जल से भगवान रामलला का अभिषेक किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

श्री चेतन ज्योति आश्रम में संस्कृत छात्रों की त्रिदिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता प्रारंभ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
श्री चेतन ज्योति आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज के संयोजन में चेतन ज्योति संस्कृत विद्यालय छात्रसंघ द्वारा आयोजित जनपदस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ आश्रम के महंत शिवम् महाराज, संस्कृत सहायक निदेशक वजाश्रवा आर्य, विद्यालय के प्रधानाचार्य सर्वेश तिवारी व रविदेव शास्त्री, स्वामी योगेंद्रानंद, स्वामी कमल मुनि, संत जगजीत सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन एवं रिबन काटकर कर किया गया।
इस अवसर पर युवा भारत साधु समाज के अध्यक्ष महंत शिवम् महाराज ने कहा कि खेलकूद से बच्चों की प्रतिभा का विकास तो होता ही है। साथ ही बच्चों का मानसिक विकास भी होता है। जिससे वह पढ़ाई में भी अव्वल होते जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार संस्कृत छात्रों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी आदि खेल पहले ही छात्रों के लिए आयोजित किए जाते हैं।
स्वामी रविदेव शास्त्री महाराज ने कहा कि बैडमिंटन के क्षेत्र में भी छात्र अपने हुनर के माध्यम से देश और समाज का नाम रोशन करें ऐसी संत समाज की कामना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता संपन्न होने पर संतो द्वारा छात्रों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया जाएगा।
संस्कृत सहायक निदेशक वजाश्रवा आर्य ने बच्चों के कौशल विकास व शारीरिक दक्षता हेतु आयोजित जनपद स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए आश्रम के महंत व विद्यालय प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।
कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के एकल व युगल वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में हरिद्वार के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन लगभग दस टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला मैच ऋषिकुल विद्यापीठ व गरीबदासीय संस्कृत विद्यालय के मध्य रहा, जिसमें गरीबदासीय विजयी हुआ, दूसरा मैच शंभूदेव व गीता संस्कृत महाविद्यालय के मध्य हुआ। इसमें गीता संस्कृत महाविद्यालय विजय रहा। तीसरा मैच निर्धन निकेतन व जगदेव के मध्य हुआ जिसमें जगदेव संस्कृत विद्यालय विजय रहा।
चौथा मैच उदासीन विद्यालय व भगवत धाम के मध्य हुआ जिसमें उदासीन विजयी रहा। पांचवां मैच चेतन ज्योति व गुरु मंडल के मध्य हुआ जिसमें गुरुमंडल विजयी रहा। कनिष्ठ वर्ग के एकल वर्ग में शंभू देव, भगवत धाम, गुरु मंडल, उदासीन, ऋषिकुल विद्यापीठ, चेतन ज्योति ने प्रर्दशन किया।
आयोजक मंडल में उपस्थित छात्र संघ अध्यक्ष कुंभराज, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रितेश गॉड व संपूर्ण छात्र परिषद उपस्थित रहा। विद्यालय प्रशासन के गुरुजनों में वेणी प्रसाद, तारा उपाध्याय, चेतन चौबे, कमल किशोर जोशी, महिधर सती, महेश नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

आयुर्वेद में है कई बीमारियों का इलाज : गणेश जोशी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
हिमालय वेलनेस के फायटो-केमिस्ट्री और आयुर्वेद क्षमता और संभावनाएं पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम का कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोशी ने हर्बल गार्डन का अवलोकन किया। संगोष्ठी में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कई वक्ताओं ने अपने विचार रखें।शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री जोशी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को नए साल की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुर्वेद हजारों वर्षों से चिकित्सा पद्धति रही है। आज ऐसी अनेक बीमारियां है जो आयुर्वेद से ठीक हो रही है। मानवता के इतिहास में सदियों से पेड़-पौधों का उपयोग दवा के रूप में इलाज के लिए किया जाता रहा है। विश्व भर की अलग-अलग सभ्यताओं में इसे अलग नाम से जाना जाता है, भारत में हम इसे आयुर्वेद कहते हैं।उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, पौधों पर आधारित भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धत्ति है, जिसका लाभ हम सदियों से उठा रहे हैं। ऋग्वेद में जहां 99 औषधीय पौधों के विषय में जानकारी मिलती है, वहीं यजुर्वेद में 82 तथा अथर्ववेद 288 औषधीय पौधों के विषय में बताया गया है, और किसी न किसी रूप में इसका लाभ उठा रहा है।
उन्होंने कहा हम सदियों से जानते हैं की हल्दी हमारे लिए कितनी लाभदायक है, परन्तु हम में से कितने लोग जानते हैं की हल्दी के किस रासायनिक गुण की वजह से वह इतनी उपयोगी है। अब समय आ गया है कि हम हमारे पारम्परिक ज्ञान तथा नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग कर आयुर्वेद को एक नया आयाम दें, जिससे आयुर्वेद की क्षमता और संभावनाएं को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा सेलाकुई स्थित सेंटर फॉर एरोमेटिक प्लांट्स में शोध के कई कार्य किए जा रहे है।
उन्होंने हिमालया के चेयरमैन से आग्रह किया कि छात्र छात्राओं को मे एक बार सेंटर फॉर एरोमेटिक रिसर्च सेलाकुई भ्रमण कराया जाए। इससे छात्र छात्राओं को वहां की जा रही शोध के विषय में जानने का अवसर प्रदान होगा।

चोरी की साइकिल के साथ आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस साइकिल चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से चोरी की साइकिल और नकदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।
लक्सर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुआंखेड़ा निवासी प्रेम पुत्र मनफूल ने पुलिस को तहरीर देकर साइकिल चोरी होने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी में कैमरे में एक आरोपित साइकिल चोरी करते नजर आया। पुलिस ने आरोपित को चोरी की साइकिल के साथ आज गिरफ्तार कर लिया।

गौकशी के आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौकशी

8 पुलिस ने आरोपित के पास से गौमांस, हथियार व अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गौकशी करते हुए पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से गौमांस, हथियार व अन्य उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। जनपद के थाना झबरेड़ा पुलिस को ग्राम कोटवाल आलमपुर में गन्ने के खेत में गोकशी किये जाने की सूचना मिली। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दबिश देकर मौके पर एक आरोपित को धर दबोचा। आरोपित के कब्जे से 180 किलो गोमांस, 02 पाठल, 02 छूरी, इलेक्ट्रानिक तराजू आदि बरामद हुआ।
पकड़े गए आरोपित का नाम मुकर्रम पुत्र जाहिद हसन ग्राम कोटवाल आलमपुर थाना झबरेडा जिला हरिद्वार बताया गया है। जबकि फरार आरोपितों के नाम शहनवाज पुत्र जरीफ शक्का उर्फ कालू व सुहेल पुत्र फुरकान उर्फ पूर्वी बताए गए हैं। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है।

रवीन्द्र मुनि ने दिए सफलता के 10 मूल मंत्र

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जैन मिलन के केंद्रीय मानवाधिकार अध्यक्ष सचिन जैन एवं केंद्रीय महिला संयोजिका मधु जैन के विजय पार्क बल्लूपुर निवास पर शनिवार को जैन मुनि रवीन्द्र मुनि का रमणीक मुनि, ऋषभ मुनि, सतेन्द्र मुनि, पुनीत मुनि, वैभव मुनि का पदार्पण हुआ।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ,कैंट विधायक सविता कपूर, पदम डॉ. बी के एस संजय, पंडित सुभाष चंद्र सतपति, पूर्व राज्य मंत्री अशोक वर्मा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेश चंद जैन, सुनील अग्रवाल ने संतों का स्वागत एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम में सचिन जैन ने हरियाणा से देहरादून आए सभी

साधु संतों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें साधु संतों का सानिध्य समय-समय पर प्राप्त होता है। कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए कहा कि मधु और सचिन सामाजिक राजनीतिक धार्मिक और गृहस्थ जीवन को संभालते हुए सेवाएं दे रहे हैं।
इस मौके पर जैन मुनि रवीन्द्र मुनि ने10 सफलता के मूल मंत्र दिए। उन्होंने व्याख्यान देते कहा कि हमें ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं होना चाहिए ना ही नाम के पीछे भागना चाहिए जो महत्वाकांक्षी होता है वह न मिलने पर चिंता ग्रस्त और निराशा से जल्द ही घिर जाता है। उन्होंने कहा कि मेरा देहरादून से बहुत गहरा संबंध है। मै यहां लगभग एक महीने तक प्रेम सुख धाम में रहूँगा।
इस अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति के आशीष जैन संदीप जैन नेहा जैन रोमिता जैन राजेश जैन रश्मि जैन ऋषिका जैन रिद्धि जैन हेमलता नेगी संजीव चांदना, ज्योति चांदना, नीलम अरोड़ा अंजलि राणा, मनोज राणा रजनी राणा, प्रिया, शशि बिष्ट ,धीरज ग्रोवर बबलू बंसल, हरीश कटारिया, चंद्र सागर उनियाल आदि उपस्थित थे।

नए साल के जश्न के दौरान पुलिस के रहेंगे कड़े इंतजाम

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने आमजन को सहर्ष नववर्ष की बधाई देते हुए इ मौके पर हुड़दंग मचाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि खुशी के इस मौके पर मयार्दा में रहें अन्यथा कार्रवाई को तैयार रहें।
एसएसपी ने कहाकि वक्त के बदलते दौर में नववर्ष के आगमन पर बड़ी संख्या में लोग मंदिरों के साथ-साथ विभिन्न पिकनिक स्पॉट व एकांत की तलाश में दूर-दराज क्षेत्र में चले जाते हैं। जहां एकांत, हुड़दंग का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व कानून को अपने हाथ में ले लेते हैं, जिसके मद्देनजर जिले की फोर्स को सभी जगहों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए हर परिस्थिति में चौकन्ना रहने के लिए कहा गया है। साथ ही समस्त थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए।
एसएसपी ने स्पष्ट किया कि नववर्ष के जश्न में खलल डालने वाले हुड़दंगियों को छोड़ा नहीं जाएगा। इनको मयार्दा में रहने का पाठ पढ़ाते हुए इनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
कहाकि नववर्ष के जश्न को मनाने हेतु कुछ युवा वर्ग नशे की हालत में गाड़ी चलाना अपनी शान समझते हैं, जिससे कई बार बड़ी घटनाएं घट जाती हैं। ऐसे बिगड़ैलों पर भी हरिद्वार पुलिस का विशेष फोकस रहेगा। किसी भी प्रकार का नशा करके माहौल खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राज्यीय एटीएम लूट गिरोह का पदार्फाश, हरियाणा से दो आरोपित दबोचे

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जनपद हरिद्वार के रुड़की क्षेत्र स्थित ढंढेरा में एसबीआई एटीएम में रखी नकदी को चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद हरियाणा के नूंह से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से नकदी भी बरामद की है। जबकि चार आरोपित अभी भी फरार बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।
मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। इसके लिए पुलिस की 04 अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया था।

एसएसपी ने बताया कि जांच में वारदात को एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो में सवार लगभग 05 व्यक्तियों के घटना को अंजाम देने की बात सामने आई। पुलिस को पता चला कि पहचान छिपाने के लिए दो अलग-2 राज्यों के किसी अन्य स्कार्पियो वाहनों के फर्जी नम्बर प्लेटों का प्रयोग किया था। स्कॉर्पियो पर पुलिस से बचने और भ्रमित करने के लिए मूल स्वरूप में अलग-अलग निशान बनवाये गये थे, जिनको घटना के बाद पुलिस को भ्रमित करने के लिए अलग-अलग राज्यों में हटाये गये थे।
पुलिस टीमें सीसीटीवी फुटेज चेक करते हुए पंचगांव मानेसर हरियाणा पहुंचे। उन्हें एक दुकान पर सीसीटीवी फुटेज में पुलिस टीम को घटना में संलिप्त एक बदमाश स्कॉर्पियो से उतरते हुए दिखायी दिया।
सीसीटीवी से फुटेज निकालकर पुलिस टीम ने आसपास के सभी थाना क्षेत्रों में मुखबिरों को दिखाकर शिनाख्त के प्रयास किये। शिनाख्त सलमान पुत्र जाकिर हसन निवासी ग्राम कलियाकी थाना तावडू जिला नूंह हरियाणा के रूप में हुई।
पुलिस टीम ने आरोपित की आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी की तो उक्त व्यक्ति के अपने गिरोह के साथियों के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों में एटीएम कटिंग के कई वारदातों को पूर्व में अंजाम दिए जाने की बात सामने आई। जिनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा की पुलिस टीम एटीएम कटिंग व अन्य वारदातों में की जा रही थी।एसएसपी ने बताया कि उक्त गिरोह शातिर किस्म का था, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों ने 14 दिन तक डेरा डालकर रेकी की। इसके बाद आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गए। उन्होंने बताया कि 29 दिसम्बर को पुलिस टीम को सूचना मिली कि मुकदमे में संलिप्त आरोपित सलमान पुनः अपने गिरोह को इकट्ठा कर किसी अन्य राज्य में एटीएम कटिंग की वारदात को अन्जाम देने के लिए कहीं जाने की फिराक में है।

द्रुत सहायता एप के बारे में विद्यार्थियों को किया जागरूक

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
किसी भी आपातकालीन स्थिति, आपदा, सहायता, दुर्घटना, छेड़छाड़ आदि विपरीत परिस्थितियों में त्वरित तौर पर महज द्रुत होमगार्ड एप से कैसे सूचना दी जाए और सहायता प्राप्त की जाए। इसके लिए आज एसएमजेएन पीजी कालेज में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला होम गार्ड कार्यालय हरिद्वार व आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आयोजित इस जागरूकता अभियान में बड़ी तादाद में छात्र छात्राएं शामिल हुईं। प्लाटून कमांडर जिला होमगार्ड कार्यालय देवकी नंदन पांडे के नेतृत्व में द्रुत होम गार्ड एप के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही इसे प्लेस्टोर और स्कैन से अपने मोबाइल फोन में कैसे डाउनलोड करे इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।
उन्होंने बताया की पैनिक बटन दबाते ही यह सूचना निकटतम 3 होम गार्ड को प्रेषित होती है, जो भी समीप होम गार्ड होगा वो तुरंत मौके पर पहुंच जायेगा। साथ ही अगर कोई होम गार्ड अवकाश या ऑफ ड्यूटी पर है, लेकिन उसकी लोकेशन सहायता चाहने के समीप है तो वही तुरंत सहायता के लिए पहुंच जायेगा।
प्राचार्य डॉ सुनील बत्रा ने द्रुत एप को नितांत आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद को तुरंत सहायता पहुंचाने हेतु होम गार्ड की यह पहल पूरे प्रदेश में दिसंबर 6 को रैतिक परेड में लॉच की गई। महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के डीन डा. संजय माहेश्वरी ने छात्रा, शिक्षिकाओं व महिलाओं के लिए इसे बेहद कारगर बताया।
होम गार्ड कार्यालय की तरफ से जितेंद्र सिंह कैंतुरा, प्रकाश नाथ,राजेंद्र कुमार आदि इस अभियान में शामिल रहे।

हरिद्वार में प्रधानमंत्री मोदी की माता की हुई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा, संतों ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित भूपतवाला स्थित श्री सिद्ध पीठ पवित्र गुफा वैष्णो देवी माता लाल देवी मंदिर में भक्त दुगार्दास के संयोजन में संत समाज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता स्व.हीराबेन की प्रथम पुण्य तिथि पर उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष और श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि माता-पिता और गुरु का सम्मान करना भारत की संस्कृति है। भक्त दुगार्दास ने अनोखी पहल करते

हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता हीराबेन मोदी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय हीरा बेन दिव्य आत्मा थीं। उन्होंने देश को ऐसा होनहार पुत्र दिया है, जिसे पूरा विश्व एक कुशल प्रधानमंत्री और जन-जन के प्रिय नेता के रूप में सम्मान देता है।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सनातन धर्म संस्कृति को ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण भी प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से ही संभव हो पाया है। वैष्णो देवी गुफा मंदिर में देवी देवताओं के साथ स्व.हीराबेन की प्रतिमा स्थापित कर भक्त दुगार्दास ने मिसाल कायम की है। स्वामी हरिचेतनानंद महाराज व श्रीमहंत ज्ञानदेव सिंह महाराज ने कहा कि देश को प्रधानमंत्री मोदी जैसा नायक देने वाली स्व. हीराबेन अत्यंत धर्म परायण और संस्कारों की प्रतिमूर्ति थीं। माता से मिले संस्कारों पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।
स्वामी ऋषिश्वरानंद, बाबा हठयोगी व महंत दुगार्दास महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शीघ्र ही भारत विश्व गुरु की पदवी पर आसीन होगा।
भक्त दुगार्दास ने सभी संत महापुरुषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश को प्रधानमंत्री मोदी जैसा विकास पुरुष देने वाली स्व. हीराबेन एक आदर्श महिला थीं।
सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश और समाज के विकास में योगदान करना चाहिए।
रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की माता स्व. हीराबेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर और उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कर भक्त दुगार्दास और संत समाज ने अच्छी पहल की है।

पत्रकार कल्याण कोष समिति की हुई बैठक

सहमति

8 मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अन्तर्गत 3 वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन पर सहमति बनी है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री के निदेर्शों पर सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में सूचना निदेशालय में पत्रकार कल्याण कोष समिति की बैठक में कुल 5 पत्रकारों के आश्रितों को पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) से आर्थिक सहायता देने के लिए समिति ने सहमति जताई। साथ ही मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अन्तर्गत 3 वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन देने पर सहमति बनी है।
उल्लेखनीय है कि पत्रकार एवं मृतक पत्रकार के आश्रितो हेतु पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) की स्थापना वर्ष 2008 में की गई।
वर्तमान में पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) के मूलधन 7 करोड से अर्जित ब्याज के रूप में लगभग 24 लाख की धनराशि और 1 करोड़ 25 लाख की एफ.डी के रूप में जमा है।
कारपस फण्ड के मूलधन से अर्जित ब्याज की धनराशि से ही पत्रकार और उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता व वर्तमान में प्रदेश के 15 पात्र पत्रकारों को प्रतिमाह 8-8 हजार पेंशन का भुगतान किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

50 से अधिक परिवारों के लिये पिछले 6 माह से पेयजल संकट

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल जनपद के तहसील खन्स्यू विकासखंड के ओखलकांडा के ग्राम क्वैराला पोस्ट कालाआगर में 50 से अधिक परिवार पिछले 6 महीनों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। इस संबंध में ग्राम निवासी मुकुल सिंह ऐरी ने कुमाऊं मंडल के आयुक्त को इस संबंध में पत्र भेजा है।
पत्र में कहा है कि गाँव क्वैराला में पेयजल लाइनों का निर्माण ह्यजल जीवन मिशनह्ल के तहत वर्ष 2021 में हुआ था। लेकिन जमीन के भीतर न डाले जाने की वजह से यह पेयजल लाइनें कई जगहों पर टूट गई है या अराजक तत्वों द्वारा तोड़-मोड़ दी गई है। जिससे गांव के 50 से अधिक परिवार पिछले कई महीनों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय लाइनमैन संसाधन न होने की वजह से हर रोज पॉलीथीन से लाइन को बाँधकर पानी पहुंचाता है। ग्रामीण कई बार इसकी शिकायत विभाग के जेई, एई एवं ईई कार्यालय और सीडीओ कार्यालय में भी कर चुके हैं। लेकिन जल संस्थान और जल निगम के कर्मचारी एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। लेकिन पिछले छः महीने से विभाग द्वारा इस समस्या का कोई भी समाधान नहीं किया जा रहा है। लिहाजा उन्होंने पेयजल लाइनों को ठीक कराने की मांग की है।

अलविदा-2023 : धामी सरकार ने ढाई साल में 40 भ्रष्टाचारियों को पहुंचाया जेल

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
गुजरते साल 2023 में उत्तराखंड की धामी सरकार ने सुशासन को लेकर कई कड़ी कार्रवाई और बड़े निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सिर्फ ढाई साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर सबसे तेज और बड़ी कार्रवाई का रिकॉर्ड बनाया है। खासकर गुजरते साल 2023 में सरकार ने भ्रष्टाचार में लिप्त 18 ट्रैप में 4 अफसरों समेत 19 को जेल भेजा है। जबकि सिर्फ ढाई साल के कार्यकाल में धामी सरकार ने सबसे ज्यादा 38 ट्रैप कर 40 भ्रष्टाचारियों को सलाखों के भीतर डाला है।
देवभूमि में भ्रष्टाचार के दानवों पर कार्रवाई करने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सबसे आगे हैं। 23 साल में राज्य की बागडोर संभालने वाले 10 मुख्यमंत्रियों में सबसे सख्त निर्णय धामी ने अब तक ली है। यही नहीं धामी अकेले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने राज्य के इतिहास में पहली बार आईएएस, आईएफएस और पीसीएस अफसरों को भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने पर सीधे सलाखों के भीतर डाला है। सरकार की यह कार्रवाई सुशासन और भ्रष्टाचारमुक्त का संदेश देती है।
खासकर भ्रष्टाचारमुक्त शासन को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने पहले कार्यकाल में शपथ लेते ही विवादों से घिरे तत्कालीन मुख्य सचिव को हटाते हुए बड़ा संदेश दिया था। इसके बाद धामी सरकार 02 में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इसमें नकल माफियाओं का तंत्र ध्वस्त करने के साथ ही गैंग में शामिल आरोपियों की रिकॉर्ड 64 गिरफ्तारियां कर 24 के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई अमल में लाई गई। इन सभी की 17 करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्ति जब्त की गई। जबकि 12 से अधिक आरोपियों के खिलाफ संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई जारी है।
राज्य के इतिहास में भ्रष्टाचार की गहरी जड़ जमाए विवादित आईएएस राम विलास यादव और आईएफएस किशनचंद को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर सरकार ने जेल भेजकर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस की कार्रवाई के बाद दोनों अफसरों के खिलाफ अब केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने भी आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की हैं। उत्तराखंड के इतिहास में यह कार्रवाई अब तक की सबसे बड़ी है।
इससे सरकार ने एक बार फिर सुशासन और ईमानदारी का संदेश दिया है। इसका नतीजा रहा कि 2023 में जनवरी से दिसम्बर तक विजिलेंस ने भ्रष्टाचारियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रिकॉर्ड बनाते हुए 18 ट्रैप कर 4 अफसरों और 15 कार्मिकों को जेल डाला गया। यानी धामी सरकार में ढाई साल में ही भ्रष्टाचार में लिप्त 38 आरोपियों को ट्रैप कर सलाखों के भीतर डाले गए। इसके अलावा 2022 में 14 ट्रैप में 14 गिरफ्तारी तो 2021 में 6 ट्रैप में 7 को जेल भेजा गया। कुल मिलाकर भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के पैमाने पर उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार खरी उतर रही है।धामी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत भ्रष्टाचार मुक्त शासन के साथ की। इसके लिए अप्रैल 2022 में विजिलेंस ने टोल फ्री नम्बर 1064 जारी किया गया।

कुमाऊं विवि की पीएचडी की द्वितीय काउंसिलिंग 4 को

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
कुमाऊं विवि ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा के उपरांत काउंसिलिंग के पहले चरण में रिक्त रह गयी सीटों के लिये द्वितीय काउंसिलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।
कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने बताया कि इसके लिऐ अर्ह अभ्यर्थियों की वरीयता सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। उन्होंने बताया कि अर्ह अभ्यर्थी 31 दिसंबर की अपराह्न 2 बजे से पोर्टल के माध्यम निर्धारित 1575 रुपये का शुल्क जमा कर आगामी 4 जनवरी की सुबह 11 बजे से काउंसिलिंग पत्र में उल्लेखित स्थान पर आवश्यक संबंधित प्रपत्रों के साथ उपस्थित हों।

राजस्व संग्रह में कर विभाग ने दर्ज की उल्लेखनीय वृद्धि

राजस्व लक्ष्य

8 --राजस्व वृद्धि में बिल लाओ-ईनाम पाओ योजना का भी रहा महत्वपूर्ण योगदान

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्य कर विभाग उत्तराखंड ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसजीएसटी और राजस्व संग्रह में 30 दिसंबर तक उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। राजस्व लक्ष्य का 30 दिसंबर तक 93 फीसदी लक्ष्य हासिल कर लिया है जो की एक बड़ी उपलब्धि है।
राज्य कर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 (माह दिसम्बर तक) में एसजीएसटी (एसजीएसटी व आईजीएसटी सेटलमेंट) 5596 करोड़ की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 (30 दिसम्बर तक) में 6119 करोड़ की प्राप्ति हुई है, जो कि लगभग 9 फीसदी अधिक है। माह दिसम्बर, 2022 में प्राप्त राजस्व 573 करोड़ की तुलना में माह दिसम्बर, 2023 (30 तारीख तक) में प्राप्त राजस्व 681 करोड़ है, जो कि लगभग 19 फीसदी अधिक है। माह दिसम्बर, 2023 तक निर्धारित राजस्व लक्ष्य 6611 करोड़ के सापेक्ष 6119 करोड़ की प्राप्ति कर ली गयी है, जो कि निर्धारित राजस्व लक्ष्य का लगभग 93 फीसदी है।
राज्य कर विभाग की प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करते हुए विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरण की सहायता से डाटा के विश्लेषण के आधार पर संभावित करापवंचन को कम करते हुए राजस्व संग्रह में अधिकाधिक वृद्धि किये जाने के प्रयास किये गए हैं, जो राजस्व संग्रह में परिलक्षित भी होते हैं।
राजस्व वृद्धि में बिल लाओ-ईनाम पाओ योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस योजना के माध्यम से खरीद का बिल प्राप्त करने के सम्बन्ध में उपभोक्ता जागरूक हुए हैं, जिसके फलस्वरूप बीटूसी (व्यापारी से ग्राहक) को की जाने वाली बिक्री को लेखबद्ध किया जा सका है तथा करापवंचन को रोकना संभव हो पाया है।
बीएलआईपी योजना का पुरस्कार वितरण समारोह 02 को-
आयुक्त कर डॉ. अहमद इकबाल ने बताया किह्लह्लबिल लाओ इनाम पाओह्लह्ल योजना के अंतर्गत विजेताओं को पुरस्कार दिये जाने के लिए 02 जनवरी को ऋषिकेश स्थित राज्य कर कार्यालय के परिसर में वित्त मंत्री डॉ प्रेम चन्द अग्रवाल की उपस्थिति में सुबह 11 बजे पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।
विजेताओं को स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच तथा इयर पोड जैसे पुरस्कार वितरित किये जायेंगे।
यह समारोह माह अक्टूबर और माह नवम्बर, 2023 के मासिक लकी ड्रॉ के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये जाने के लिए आयोजित किया जाना है।

श्री वैश्य बंधु समाज ने बेसहाराओं को बांटे कंबल

कंबल वितरित

8 सभी को मानव कल्याण में सहयोग करते हुए गरीब परिवारों की मदद करनी चाहिए।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार के पदाधिकारियों ने सड़कों के किनारे और झुग्गी झोंपड़ी में जीवन यापन कर रहे निर्धन बेसहारा लोगों को सर्दी से बचने के लिए कंबल वितरित किए। इस दौरान संस्था के संस्थापक अशोक अग्रवाल ने कहा कि कड़ाके की ठंड में सड़कों के किनारे झुग्गी झोपड़ी में रह रहे परिवारों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में संस्था ने उन्हें ठंड से बचाने के उद्देश्य से कंबल वितरित किए हैं।
विनीत अग्रवाल एवं माध्विक मित्तल ने कहा कि वैश्य समाज लगातार समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सभी को मानव कल्याण में सहयोग करते हुए गरीब परिवारों की मदद करनी चाहिए।
उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों से ही सामाजिक संस्थाओं की पहचान होती है।

हनुमान कथा के आयोजन को लेकर की बैठक

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर हंसप्रकाश महाराज के होने वाले एकादश निर्वाण दिवस समारोह को लेकर अवधूत मण्डल आश्रम में बैठक की गई।
बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व्यापार मण्डल संजीव चौधरी ने बताया कि अवधूत मण्डल आश्रम में 31 दिसम्बर को कलश यात्रा के साथ श्री हनुमान कथा का आयोजन होगा राष्ट्रीय कथा वाचक अरविन्द भाई ओझा के श्रीमुख से कथा का आयोजन होगा और पांच जनवरी को विशाल संत सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें सभी अखाड़े, देश और प्रदेश के बड़े नेता समाज सेवी शामिल होंगे।

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर हुआ

जोशीमठ/टीम एक्शन इंडिया
सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जोशीमठ के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन शिविर स्थल नन्दा देवी प्रांगण डांडो में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व मतदाता जागरूकता नाटक की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ।
समापन कार्यक्रम का शुभारंभ भुवन चंद्र उनियाल अध्यक्ष प्रबंध समिति विद्या मंदिर, विशिष्ट अतिथि दर्वेश्वर प्रसाद थपलियाल प्राचार्य संस्कृत महाविद्यालय जोशीमठ, कार्यक्रम अध्यक्ष प्रधानाचार्य शंभू प्रसाद चमोला ने मां शारदे के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।
इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रकाश पंवार ने महिला मंगल दल अध्यक्ष डांडो आशा सती, सरोजिनी नौटियाल ,पूनम नौटियाल का शिविर संचालन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।
शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा भगवान श्री राम के रंगारंग भजनों ने सब का मन मोहा।
अमन पंवार तथा स्नेहलता के संयुक्त संचालन में शिविरार्थी कैंप कमांडर रितिक रावत तथा प्रिंसी पांडे ने शिविर के अनुभवों को साझा किया। मुख्य अतिथि ने स्वयंसेवकों की प्रस्तुति और अभिव्यक्ति को सराहा। कार्यक्रम अध्यक्ष शंभू प्रसाद चमोला ने शिविर के सभी 50 स्वयंसेवकों को शिविर के सम्पन्न होने पर बधाई दी।
इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए वॉलंटियर्स नवनीत, प्रिंसी पांडेय, शुभम बिष्ट, हिमांशु तथा नियति सती को एनएसएस प्रकोष्ठ से प्राप्त नगद पुरस्कार की राशि भी दी गई। कार्यक्रम में वीना मंद्रवाल, शशि कुंवर साहित डांडो वॉर्ड के सभी मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

2024 चुनाव में महिला मोर्चा की प्रभावी भूमिका होगी : नौटियाल

रुद्रपुर (उधम सिंह नगर)
भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा महिला मोर्चा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।
उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से मोदी सरकार की महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई कहा योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। श्रीमती नौटियाल भाजपा कार्यालय पर महिला मोर्चा कार्यकताओं की संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रही थी। इस बैठक में महिला मोर्चा की प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और मंडल महामंत्री शामिल हुई।

मोर्चा अध्यक्ष नौटियाल ने कहा कि देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं की जानकारी घर घर तक पहुंचे,इसके लिए महिला मोर्चा को प्रभावी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने नारी शक्ति बंधन अधिनियम कानून का जिक्र करते हुए कहा कि इस कानून से महिलाएं राजनीतिक तौर पर सशक्त होंगी और आरक्षण का कानून बन जाने से 33 फीसद महिलाओं को विधानसभा और संसद में पहुंचने का अवसर मिलेगा जिससे वह महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा सकेंगी।

70 फीसद पार्किंग भरने पर वाहनों को रोके जाने पर किया विरोध प्रदर्शन

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल पुलिस के नव वर्ष के अवसर पर 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक के लिये घोषित यातायात योजना पर नगर के मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल ने कड़ी नाराजगी जतायी है।
शुनिवार को व्यापार मंडल की कार्यकारिणी सदस्यों की अध्यक्ष पुनीत टंडन के गोल घर स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई बैठक में नव वर्ष से संबंधित प्रशासन और पुलिस के इंतजाम साथ ही उस पर पर्यटन व्यवसाय पर प्रभावों पर मंथन किया गया। इसके उपरांत सदस्यों ने मल्लीताल पंत पार्क के पास सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया।
बैठक में सदस्यों ने पर्यटन वाहनों

को 70 प्रतिशत पार्किंग फुल होने पर रोकने के बारे में पुलिस के प्रस्तावित यातायात योजना का एक स्वर में कड़ा विरोध किया और इस व्यवस्था को खारिज करते हुए बांहों में काले फीते बांध कर पंत पार्क में सार्वजनिक तौर पर अपना रोष और विरोध प्रकट किया।
व्यापार मंडल अध्यक्ष पुनीत टंडन ने कहा कि नैनीताल में हम एक ओर पार्किंग व्यवस्था को और बढ़ाने के साथ ही मल्टी लेवल पार्किंग की बात करते हैं। दूसरी ओर प्रशासन 30 प्रतिशत पार्किंग को खाली रखने की बात कर रहा है। यह बफर किन कारणों से बनाया जाएगा यह बहुत बड़ा सवाल है। साथ ही यह प्रशासनिक और पुलिस की यातायात व्यवस्था की अधूरी तैयारी को दशार्ता है। शत प्रतिशत पार्किंग भरने तक की व्यवस्था के लिये यातायात प्रबंधन की योजना पुलिस के पास ना होने का साफ साफ संकेत है।
उन्होंने कहा कि बीते वर्ष भी प्रशासन ने इस बदइंतजामी की वजह से 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक पर्यटकों को नगर में आने से रोका, जिससे नगर के व्यवसायियों को व्यापार में भारी नुकसान हुआ था। इस वर्ष भी ऐसा होना स्वाभाविक प्रतीत हो रहा है। इसलिये व्यापार मंडल प्रशासन से पुनः विनम्रता से आग्रह करता है की शत-प्रतिशत पार्किंग फुल होने पर ही वाहनों को रोकने का फैसला लिया जाए।
व्यापारियों की इसी संबंध में अगली समीक्षा बैठक 4 जनवरी को होगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। विरोध प्रकट करने वालों में मां नयना देवी व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष तरुण कांडपाल, सचिव शिव शंकर मजूमदार सचिव, कोषाध्यक्ष अमरप्रीत सिंह, गिरीश कांडपाल, पवन टंडन, देव कंसल, मनोज जोशी, अमित गुप्ता, विकास जयसवाल, जीत सिंह आनंद, विजय वर्मा, विश्वदीप टंडन, विनोद, अबरार, गगन, जितिन जेठी, सुमित जेठी, नरदेव शर्मा व फिरोज सहित अन्य व्यापारी शामिल हुऐ।

देवभूमि में राममय माहौल बनाएगी भाजपा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) श्रीराम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर देवभूमि में माहौल राममय बनाने जा रही है। इसके लिए अयोध्या से आए पूजित अक्षत को घर घर पहुंचकर आमंत्रण देने के साथ इस पावन अवसर पर सभी मंदिरों में भजन कीर्तन और घरों में दीपावली का उत्सव मनाया जाएगा।पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने बताया कि अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर में विराजने को लेकर देश दुनिया की तरह देवभूमि में भी उत्साह का माहौल है। पार्टी ने तय किया है कि हमारे कार्यकर्ता अन्य संस्थाओं

के सहयोग से सवा करोड़ उत्तराखंड वासियों के साथ इस दिन पुनः दीपावली मनाएंगे।
इसी क्रम में 1 जनवरी से 15 जनवरी के मध्य अयोध्या से आए अक्षत कलशों को घर घर पहुंचाकर श्रीराम मंदिर दर्शन का आमंत्रण पत्र दिया जाएगा। 22 जनवरी को अपने आस पास के सभी मंदिरों में भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और जनसहभागिता के साथ उसे देखा जाएगा। इस पावन दिन में सभी कार्यकर्ता अपने घर के मंदिर में 5 दीपक प्रज्वलित करेंगे, साथ ही समूचे घर में दीपावली की तरह साज सज्जा की जाएगी एवं दियों, झालरों आदि के माध्यम से उन्हें प्रकाशवान किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि इस दौरान सभी कार्यकर्ता अन्य लोगों को भी राष्ट्रीय सांस्कृतिक समृद्धता के इस महा उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाने के लिए प्रेरित करेंगे। पार्टी का प्रयास है कि सनातन धर्म का नया इतिहास गढ़ने और प्रभु श्री राम के मंदिर आगमन पर देवभूमि राममय होकर दीपोत्सव का आनंद उठाए।

संपादकीय

कालगणना नहीं, कालबोध है महत्वपूर्ण

अस्तित्व सदा से है और सदा रहता है। यह सनातन है। चिरन्तन है। यह नया या पुराना नहीं होता। लेकिन अनुभव और अनुभूति में यह प्रतिपल नया है। सूर्य प्रतिपल नया है। हर एक सूर्योदय नया है। इसके पहले मुदित मन प्रतिदिन आती ऊषा भी नई है। ऋग्वेद के ऋषि ऊषा के सौन्दर्य का वर्णन करते हैं। बताते हैं कि यह ऊषा नई हैं और पुराणी युवती हैं। पुराणी युवती शब्द का प्रयोग ध्यान देने योग्य है। युवती शब्द का प्रयोग तरुण स्त्री के लिए होता है। लेकिन ऋषि की अनुभूति में ऊषा पुरानी होकर भी नई हैं। चन्द्र भी प्रतिदिन नया है और साथ साथ पुराना भी। प्रत्येक पूर्णिमा नई है और अमावस्या भी नई है। वर्षा की हर एक बूंद भी नई है। शीत नई है और ऊष्मा भी नई है। यहां नए का अलग अस्तित्व नहीं है। वह पहले से गतिशील अस्तित्व का विस्तार है। समय भी नया या पुराना नहीं होता। समय अखण्ड है। यूरोपीय काल गणना के अनुसार आज (रविवार) देररात 12 बजे वर्षान्त होगा और उनकी मान्यता के अनुरूप नववर्ष प्रारम्भ हो जाएगा। ह्यहैप्पी न्यू ईयरह्य की तैयारियां जोरों पर हैं। इन तैयारियों में अस्तित्व की अनुकम्पा व प्रसाद के गीत नहीं है। अनेक लोग इसी बहाने नई तरह की दारू का इंतजाम कर रहे हैं और नाच गाने का भी। 'हैप्पी न्यू ईयर' सिर पर चढ़कर बोल रहा है। यूरोपीय नववर्ष लगभग हर वर्ष अपने साथ कड़ाके की ठण्ड और सर्द हवाएं लेकर आता है। अंग्रेजी कैलेंडर में जनवरी में जनवरी ही नई है। वैसे जनवरी में कुछ भी नया नहीं होता। न कोई आह्लाद। न प्रसाद, न ऋतु। न आनंद। प्रकृति का कोई छंद और न सुख अनुभव कराने वाली कोई गंध और न स्पर्श। गंध ढोकर लाने वाली हवाएं स्वयं शीत के प्रभाव में हैं। वातावरण में सर्दी ही सर्दी है। सर्दी भी स्वयं दुबकी हुई दिखाई पड़ती है। सर्दी और कोहरे ने 'हैप्पी न्यू ईयर' का मजा कम कर दिया है। तो भी लोगबाग एक दिन पहले से ही 'हैप्पी न्यू ईयर' का नगाड़ा बजा रहे हैं। प्रकृति ने जम्बूद्वीप भरतखण्ड को पूरे मनोयोग से गढ़ा है। यहां सत्य शिव सौन्दर्य की छटा है। प्रकृति नाना रूपवती है। जम्बूद्वीप भरतखण्ड में सदा नीरा नदियां हैं। इठलाती गीत जाती नदियां स्वयं आनंद रस परिपूर्ण हैं। यहां नदियां माताएं हैं और देवियां हैं। इस भूखण्ड में अनंत जलराशि वाले समुद्र भी हैं। फूलों की घाटियां हैं। आकाश छूने को लालायित विशाल मंदिर हैं। सब तरफ वन उपवन हैं। गंधमादन वातायन है। जलाशयों में कमल के फूल हैं। कालिदास ने मेघदूत में कमल के फूलों वाले क्षेत्रों की मोहक चर्चा की है। अथर्ववेद के भूमि सूक्त में भी कमल की विस्तृत चर्चा है। यहां 6 ऋतुएं हैं। सभी ऋतुओं के अपने आकर्षण हैं। लेकिन अंग्रेजी नववर्ष में नदियों में कोई उल्लास नहीं होता। दिशाएं उल्लासधर्मा नहीं होतीं। प्रकृति के नियम शाश्वत हैं। पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। दिन रात मिलाकर 720 अहोरात्र हैं। अहोरात्र दिन रात के जोड़े हैं। पृथ्वी सहित अनेक ग्रह गतिशील हैं। हमारे पूर्वजों ने काल को चक्रीय बताया है। चक्र की गति में प्रथम और आखिरी नहीं होता। तब नया साल कहां से आया। हमारी समस्या है कि नए साल की गिनती कहां से शुरू करें। प्रश्न यह भी है कि नए साल की गिनती पहली जनवरी से क्यों शुरू होती है। न्यू ईयर वाली जनवरी बिंदास होती है। लेकिन जनवरी में बसंत जैसी सुगन्धित वायु नहीं बहती।

कतर में भारत की कूटनीति और कानूनी लड़ाई रंग लाई

आशीष वशिष्ठ

> इस आधार पर कंपनी को काली सूची में डाल देना चाहिए अथवा भारतीय अब भी इस कंपनी में कार्यरत हैं या कंपनी छोड़ चुके हैं, लेकिन विदेशी कंपनियों में शामिल होने से पहले भारतीयों को विस्तृत जानकारी ले लेनी चाहिए कि उन कंपनियों की पृष्ठभूमि क्या रही है। जिन देशों की न्यायिक व्यवस्था ह्यब्लैक बॉक्सह्न जैसी है, वहां नौकरी नहीं करनी चाहिए। आखिर न्यायिक इंसाफ तो अनिवार्य है। कमोबेश यह मामला भारतीयों को कई बड़े सबक दे सकता है। आज की युवा पीढ़ी वे सबक लेना चाहे अथवा विदेश जाने की अंधी दौड़ में शामिल रहे

कतर में आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों को मृत्यु दंड की सजा रद्द हो गई है। उन्हें अब कारावास की सजा दी गई है। वह सजा कितने साल की होगी, यह अदालत के विस्तृत फैसले से ही स्पष्ट होगा। यह अदालती फैसला भारत और उसके पूर्व नौसैनिकों के लिए सुखद और राहतपूर्ण है, क्योंकि जासूसी के अपुष्ट आरोपों पर भारतीय विदेशों में जेल की सजाएं झेलते रहे हैं। कतर में मौत की सजा ने भारत को हैरानी के साथ-साथ सदमे में भी डाल दिया था। सेना के सात पूर्व अधिकारियों और एक पूर्व नाविक को कतर की खुफिया एजेंसी ने 30 अगस्त, 2022 को गिरफ्तार कर लिया था। इनमें नौसेना के पूर्व कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन वीरेन्द्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरव वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर प्रनेंदू तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पाकला, कमांडर संजीव गुप्ता और नौसैनिक रागेश शामिल हैं। ये वहां पर ओमान के एक सैन्य अधिकारी द्वारा संचालित अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टिंग सर्विसेज कंपनी के लिए कार्य कर रहे थे, जो कतर की नौसेना को विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण दे रही थी।

कतर के सरकारी अफसर अपराध का खुलासा नहीं कर रहे थे और न ही आरोपों को सार्वजनिक कर रहे थे। यह आरोप जरूर सामने आया कि पूर्व नौसैनिकों ने कतर की एक महत्त्वपूर्ण पनडुब्बी परियोजना की संवेदनशील सूचना इजरायल को दी थी। वर्तमान संदर्भों में भारत इजरायल का मित्र-देश है, जबकि कतर हमास के सियासी नेतृत्व की आर्थिक मदद करता रहा है और उन्हें पनाह भी देता रहा है, लेकिन पनडुब्बी वाली सूचना को लेकर कतर के आरोपों का आधार पुख्ता नहीं था और न ही साक्ष्य थे। बहरहाल भारत की कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई रंग लाई और 8 भारतीय मौत की सजा से बच गए। भारत और कतर के दरमियान 2015 का एक समझौता है, जिसके तहत सजायाफ्ता लोगों को उनके गृह देश में ही स्थानांतरित करने का प्रावधान है। वे शेष सजा अपने ही देश में काट सकते हैं। मौजूदा मामले में क्या होता है, उसका खुलासा आने वाले दिनों में ही होगा। इन पूर्व सैनिकों को बचाने के लिए भारत सरकार ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इसके लिए सरकार ने कतर की एक दूसरी अदालत

में पूर्व नौसैनिकों को मिली मौत की सजा के खिलाफ अपील दायर की थी। भारत के प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की दुबई में मुलाकात पर्यावरण के कॉप-28 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री ने पूर्व नौसैनिकों की गिरफ्तारी और सजा-ए-मौत का जिक्र किया था अथवा नहीं, सरकार उसे लेकर बिल्कुल खामोश है। बीते साल अगस्त में भारत के पूर्व नौसैनिकों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें एकांत कारावास में रखा गया था और मामले को पूरी तरह ह्यगोपनीयह्न बना दिया गया था। दोनों ही सरकारों ने आरोपों पर सार्वजनिक बातचीत करने में संकोच बरता।

हालांकि कतर में भारत के वाणिज्य दूत और कानूनी टीम को पूर्व नौसैनिकों से मिलने की इजाजत दी गई। कतर में 8 लाख से अधिक भारतीय बसे और काम करते हैं। पूरे पश्चिमी एशिया में भारतीयों की कार्यरत आबादी सर्वाधिक है, लिहाजा जासूसी के आरोप सहज और चुनौतीपूर्ण हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शरिया कानूनों पर चलने वाली कतर की अदालतों से भी ऐसे फैसले की उम्मीद कम ही थी। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान पर भारत की आलोचना करने वाली कतर सरकार की आवाज खाड़ी देशों की सबसे तेज आवाजों में से एक थी। नूपुर शर्मा मामले के बाद से दोनों देशों के संबंधों में उतार-चढ़ाव देखा गया था। भारत और कतर के बीच कश्मीर और भारतीय मुसलमानों को लेकर भी तनाव रहा है। 2022 में कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप फुटबाल के उद्घाटन समारोह के लिए विवादास्पद इस्लामी प्रचारक जाकिर नाइक को आमंत्रित किये जाने की खबरों पर भारत में भी बहुत से सवाल खड़े हो गए थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अन्तर्राष्ट्रीय मामले कई बार बहुत लम्बे खिंच जाते हैं। पाकिस्तान की जेल में बंद सरबजीत सिंह के मामले में ऐसा देखा है। सरबजीत को पाकिस्तान की जेल से छुड़ाने में तत्कालीन मनमोहन सिंह की सरकार सफल नहीं हो पाई थी। सरबजीत सिंह को 1990 में पाकिस्तान के लाहौर और फैसलाबाद में हुए चार बम धमाकों के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था। इन धमाकों में करीब 10 लोगों की मौत हो गई थी। सरबजीत पर जासूसी और बम धमाके कराने का आरोप लगा। लाहौर की एक अदालत में मुकदमा चला। इस अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई। सरबजीत सिंह की बहन और पाकिस्तानी वकील अवैसे षेख के प्रयासों के चलते जून 2012 में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने सरबजीत की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। 2 मई 2013 को लाहौर की कोट लखपत जेल में छह कैदियों ने सरबजीत सिंह पर ईंट और धारदार हथियार से हमला किया। इस हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और वे कोमा में चले गए। उनका लाहौर के जिन्ना अस्पताल में इलाज चल रहा था.इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। मनमोहन सिंह की सरकार को इस मामले में पाकिस्तान पर जिस स्तर की कूटनीति और दबाव बनाना चाहिए था, वो उसमे असफल रही।

सरबजीत की तरह वर्तमान में भारतीय नागरिक कुलभूषण ?जाधव जासूसी और आतंकवाद के आरोप में पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। सरकार के प्रयासों के बावजूद हम कुलभूषण ?को पाकिस्तान की हिरासत से रिहा नहीं करवा पाए है।। कुलभूषण ?जाधव को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने 2017 में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। भारत इस मामले को लेकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस में पहुंचा था जिसने पाकिस्तानी कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी और पाकिस्तान से कुलभूषण ?को दूतावास संबंधी सहायता और मुलाकात का अवसर देने को कहा था लेकिन कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान ने रिहा नहीं किया है। कतर में आठ पूर्व सैनिकों की फांसी की सजा पर रोक भारतीय कूटनीति की जीत ही मानी जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कूटनयिक स्तर पर इस मामले में काफी मेहनत की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कतर के अमीर से इस मामले में बातचीत की थी। भारत के 8 पूर्व सैनिकों को अब 3 साल से 25 साल की सजा दी गई है लेकिन चिंता की बात यह है कि इन पर लगे जासूसी के आरोप अभी हटाए नहीं गए हैं। इसका अर्थ यही है कि भारत सरकार को अभी और लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इन लोगों को बेगुनाह साबित करने के लिए अभी और कूटनीतिक दबाव बनाए जाने की जरूरत है। अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टिंग सर्विसेज कंपनी संदिग्ध गतिविधियों में संलग्न रही है इसकी कोई पुख्ता जानकारी या प्रमाण नहीं है।

इस आधार पर कंपनी को काली सूची में डाल देना चाहिए अथवा भारतीय अब भी इस कंपनी में कार्यरत हैं या कंपनी छोड़ चुके हैं, लेकिन विदेशी कंपनियों में शामिल होने से पहले भारतीयों को विस्तृत जानकारी ले लेनी चाहिए कि उन कंपनियों की पृष्ठभूमि क्या रही है। जिन देशों की न्यायिक व्यवस्था ह्यब्लैक बॉक्सह्न जैसी है, वहां नौकरी नहीं करनी चाहिए। आखिर न्यायिक इंसाफ तो अनिवार्य है। कमोबेश यह मामला भारतीयों को कई बड़े सबक दे सकता है। आज की युवा पीढ़ी वे सबक लेना चाहे अथवा विदेश जाने की अंधी दौड़ में शामिल रहे।

कविता

कैसा कैसा सर्कस जारी रे

जुमलाश्री की बंटें रेवड़ी जनता बनी भिखारी रे
वोट की खातिर लोकतंत्र में कैसा सर्कस जारी रे
अपनी भाषा खुद बिगड़ी पर दूजे पर आरोप लगे
सब के सब है भ्रष्टाचारी बस आप दूध के धुले दिखे
ईडी के पिंजरे में डालो यह नौटंकी जारी रे
वे बोले तो तुरंत एक्शन हथकड़ियां तैयार खड़ी
अपना कितना गंदा बोले पुलिस देखती खड़ी खड़ी
कमल छाप साबुन की टिक्की न्याय पर पड़ती भारी रे
नारी रक्षा का ढोल बज रहा अत्याचारी फल फूल रहे
कोई धर्म के नाम पर छुटटा कोई इंक्वारी में झूल रहे
बेशर्मी ओढ़कर दहाड़ रहा वो जुल्मी और बलात्कारी रे
बलात्कारी प्रवचन कर रहे पैरोल का फायदा लूट रहे
बेकसूर जेलों में सड़ते कानूनी हंटर कूट रहे
खुल्लम-खुल्ला नाच ये नंगा नाइंसाफी जतारी रे
जिसके होंठ भी खुले दिख जाए उस पर चस्पा टेप करो
अनाप-शनाप बोलो कितना भी आपको आखिर कौन कहे
कुर्सी ऐसी भारी-भरकम जनता पर चले कुल्हाडी रे
कितना कोई कलेजा फाड़े आंख तुम्हारी नहीं उठती
कितने मुंह पर पड़े तमाचे पर नींद खुमारी नही खुलती
गारंटी का महज दिखावा जनता की लाचारी रे

कलमकार राजव्रत

मध्यप्रदेश में हादसे कर रहे है, सरकार की शिकायत..

नरेंद्र तिवारी पत्रकार

मध्यप्रदेश में जन सुविधाओं के क्या हाल है। क्या सचमुच प्रदेश विकसित राज्य की और कदम बड़ा रहा है ? क्या राज्य में लोक कल्याण से जुड़ा तंत्र जनता के जानमाल की रक्षा करने में सक्षम नजर आ रहा है ? क्या नागरिक समाज से जुड़ी सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में राज्य सरकार का तंत्र ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है ? इन सब प्रश्नों का जवाब प्रदेश में हाल में हुए हादसों में मिलता दिखाई दे रहा है। प्रदेश में हुए यह हादसे प्रदेश की सरकारी व्यवस्थाओं की पोल खोलते नजर आ रहे है। यह हादसे चीखझ्चीख कर शिकायत कर रहे है की मध्यप्रदेश में प्रशासनिक तंत्र में फैला व्यापक भष्ट्राचार जनहितों की अनदेखी कर रहा है। जनता के जानमाल की कीमत इस भष्ट्र तंत्र के लिए कुछ मायने नहीं रखती। इस तंत्र को महज अवैध कमाई से मतलब दिखाई देता है, क्या गुना में हुए बस हादसे जिसमे 13 निर्दोष यात्रियों की दुर्घटना के दौरान बस में लगी आग में जल जाने से मौत हो गई। इस हादसे में 16 से अधिक यात्री बुरी तरह झुलस गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर गहरा दुख जताया है। मृतकों के परिवार को 4झ4 लाख रु एवं घायलों को 50झ50 हजार रु की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के निर्देश देते हुए कहा इस घटना के जो भी जिम्मेदार है उसे नही छोड़ेंगे। घटना के बाद गुना आरटीओ एवं सीएमओ को निलंबित कर दिया गया है। गुना एसपी के अनुसार बस में 30 सवारियां बैठी थी। दुर्घटनाग्रस्त बस 15 साल पुरानी थी, इस बस का बीमा, परमिट भी नहीं था। फिटनस फरवरी 2022 को ही खत्म हो गया था। बस हादसा इतना भयावह था की रोंगटे खड़े हो गए। शवों को उठाने के दौरान शरीर के अंग गिर रहे थै। शव एक दूसरे से चिपक गए थै। अपनी मंजिल पर पहुंचने का इंतजार कर रहे यह यात्रीगण प्रशासनिक उपेक्षा के चलते अपनी जान से हाथ धो बैठे।शवों की दुर्दशा ऐसी की परिजन भी अपने परिवार के व्यक्ति को पहचान नही पा रहे थै। गुना में घटित बस हादसा प्रदेश के परिवहन विभाग के भ्रष्ट आचरण, अनियमितता और अनदेखी का प्रमाण है। घटना उपरांत प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सख्ती दिखाई तब जाकर परिवहन विभाग सम्पूर्ण प्रदेश में बसों की चेकिंग करने में जुट गया। जैसे गहरी नींद में सोया जनता की परिवहन व्यवस्था को देखने वाला यह विभाग अचानक जाग गया हो। अब प्रदेश का आरटीओ विभाग प्रदेशभर में यात्री सुविधाओं के लिए संचालित बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा आदि दस्तावेजों की जांच करने का दिखावा कर रहा है। गुना के इस ह्रदय विदारक हादसे को लेकर मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे संस्थागत हत्या का मामला बताया है। उन्होंने कहा ऐसा लगता है की गुना में समूची व्यवस्था भष्ट्राचार की अग्नि में जलकर स्वाहा हो गई।

दरअसल ऐसे हादसों से सबक लेने की आवश्यकता है।

विचार

नया साल : नई शुरूआत का सुनहरा अवसर

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हम सब यह अच्छी तरह जानते हैं कि पूरी दुनिया में नए साल का जश्न बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह एक ऐसा अवसर होता है जब हम अपने जीवन की सामान्य गतिविधियों को कुछ समय के लिए रोक कर अपना ध्यान उन कार्यों की ओर करते हैं जिनसे हमें लगता है कि हमें खुशी मिलेगी। यह ऐसा समय भी होता है जब हम बीते हुए साल को पीछे छोड़ते हैं और आने वाले नए साल का स्वागत बड़ी खुशी से करते हैं। यदि हम अपने पिछले वर्ष पर एक नजर डालकर देखें तो हम पाएंगे कि बीते वर्ष में ऐसे बहुत से समय हमारे जीवन में आए होंगे, जब हमने अपने ईश्वर की कृपा को अनुभव किया होगा। ठीक इसके विपरीत हमारे जीवन में कई बार ऐसे भी मौके आए होंगे, जब हम कठिनाईयों या दु:ख-दर्द के समय से भी गुजरे होंगे। ऐसे समय में हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हर गुलाब में कांटे भी होते हैं, वे भी अपनी भूमिका निभाते हैं और उनका भी अपना महत्त्व है। ठीक इसी तरह हमारे जीवन में सुख और दु:ख दोनों आते हैं। यदि हम इन बातों पर विचार करेंगे तो हम देखेंगे कि हम हरेक परिस्थिति में शांत व सुखी रहेंगे।

नया साल सिर्फ बाहरी तौर पर खुशियाँ मनाने का समय नहीं है बल्कि यह हमें अपने जीवन में सुधार लाने का एक सुनहारा अवसर भी प्रदान करता है। हम देखते हैं कि नये साल पर बहुत से लोग बुरी आदतों को छोड़कर अच्छी आदतों को ढालने का भी संकल्प लेते हैं। यह एक ऐसा मौका होता है जब वे स्वयं में सुधार लाने का प्रयत्न करते हैं। कई लोग धूम्रपान न करने का प्रण लेते हैं जबकि बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो मांसाहार को छोड़कर शाकाहारी जीवन जीने का संकल्प लेते हैं। कई ऐसे भी होते हैं जो क्रोध न करने, सभी से प्रेमपूर्वक व्यवहार करने और दूसरों की मदद करने की प्रतिज्ञा लेते हैं। बहुत से विद्यार्थी ऐसे होते हैं जो दूसरे विद्यार्थियों की तुलना में अपनी पढ़ाई में बेहतर से बेहतर करने का संकल्प लेते हैं। अगर ध्यान से देखा जाए तो हर कोई अपने-अपने स्तर पर अपने जीवन में कुछ अच्छा करने का प्रयत्न करता है। नये साल के इस मौके पर बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो यह प्रार्थना करते हैं कि नए साल में हम ज्यादा से ज्यादा आध्यात्मिक विकास करेंगे। यदि हम भी नये साल पर आध्यात्मिक रूप से प्रगति करना चाहते हैं तो इसके लिए हमें अपनी दिनचर्या को बड़ी ही गहराई से देखना होगा। ऐसे में हमारी यही कोशिश होनी चाहिए कि हम कोई भी ऐसा कार्य न करें जो हमको इस उद्देश्य से दूर करे। आध्यात्मिक रूप से तरक्की करने के लिए हमें ध्यान-अभ्यास को अपने जीवन में ढालना होगा। इसके लिए हमें वक्त के किसी पूर्ण संत से ध्यान-अभ्यास करने की विधि सीखनी होगी। जब हम अपनी दिनचर्या में ध्यान-अभ्यास को शामिल करते हैं तो हम अपने अंतर में प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव होता है। इसके अलावा हमें यह भी अनुभव हो जाता है कि प्रभु की जो ज्योति मुझे जान दे रही है, वही दूसरे लोगों में भी है। तो फिर हमें इस बात का पक्का विश्वास हो जाता है कि हम सब एक ही पिता-परमेश्वर की संतान हैं। यह नये साल पर हमें यह भी समझना चाहिए कि हम जो भी प्रयास करें चाहे वह कितना भी कम क्यों न हो, हम जो भी कदम उठाएं चाहे वह कितना ही छोटा क्यों न हो, वो हमें हमारे लक्ष्य के करीब लाता है। नये साल पर हमारी यही कोशिश होनी चाहिए कि अतीत हमारा चाहे कैसा भी हो लेकिन हमारा भविष्य हमेशा बेदाग रहे। हम अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें, इसके लिए आध्यात्मिक मार्ग ही हमें मददगार साबित हो सकता है। तो आईये! हम भी नये साल पर आध्यात्मिक प्रगति करने का संकल्प लें क्योंकि हमारी आध्यात्मिक सेहत पर ही हमारी शारीरिक व मानसिक सेहत निर्भर करती है। यदि हम आध्यात्मिक रास्ते पर चलने का प्रण करते हैं तो हम देखेंगे कि इससे न सिर्फ हमारी आध्यात्मिक बल्कि शारीरिक व मानसिक सेहत भी ठीक रहेगी।

नए साल के इस अवसर पर हम अपनी गलतियों की ओर ध्यान न दें और एक आशावादी दिल के साथ एक नए साल की शुरूआत करें। आप सभी को जीवन में सफलता के लिए नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें नव वर्ष में प्रवेश

असलम आजाद शम्सी

नव वर्ष 2024 की आमद आमद है। गिनती के कुछ ही घंटों बाद हम सब नए साल में प्रवेश कर जाएंगे और हमारी यादों के अध्याय में एक और अध्याय जुड़ जाएगा।हम अपने जीवन के पिछले अध्याय के आखिरी पन्ने को बंद कर जीवन के नए अध्याय में प्रवेश कर जाएंगे। नव वर्ष में प्रवेश करते ही पूरे विश्व के लोग अपने अपने निश्चय और संकल्प के साथ नव वर्ष के प्रारंभिक पल को पूरे हर्ष और उल्लास के साथ बेहद खास बनाने में जुट जाएगा। हर व्यक्ति इस पल को जी भर कर जी लेने की चाह के साथ इसे यादगार भी बनाना चाहता है। हर नया साल हम सभी के लिए नई आशाएं, नया विश्वास, नई चुनौती, नई खुशियाँ, नई ऊर्जा, नए लक्ष्य लेकर हमारे जीवन में दस्तक देता है और अब साल 2024 भी हमारे जीवन में प्रवेश कर रहा है। हम भारत वासी एक साल में कई बार नव वर्ष मानते हैं और हर नव वर्ष हम भारत वासियों के लिए महत्वपूर्ण है और इनकी अपनी महत्ता है परंतु एक जनवरी का दिन बेहद खास है क्योंकि इस रात हम पूरे विश्व भर के लोगों के साथ मिल कर एक साथ नए साल का जश्न मानते हैं और ये हमारे लिए किसी त्योहार की तरह होता है। नव वर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामना संदेश प्रेषित करते हैं और बधाईयाँ पेश करते हैं। हम भूतकाल के सभी कड़वी यादों, प्रतिकूल अनुभवों, असफलताओं और लड़ाई झगड़ों को भुला कर जीवन को नए सिरे से शुरू करते हैं पर वास्तव में हर घड़ी हमारा जीवनकाल छोटा हो रहा है, हर साल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो रहा है और निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हर घंटे समय कम हो रहा है। हर पल हमारे अति महत्वपूर्ण और कीमती समय व्यतीत हो रहा है। अतः हमें आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भूतकाल अर्थात जीवन के बीते हुए पल और आने वाले समय काल का बिन्दुवार तुलनात्मक विश्लेषण करें। हमें ये पता लगाना चाहिए कि हमने अपने जीवन का जो अत्यन्त महत्वपूर्ण और सोने से भी बहुमूल्य समय पीछे छोड़ा है वास्तव में हमने अपने जीवन के उस कालखंड में क्या पाया और हासिल किया है। हम ने किन लक्ष्यों की प्राप्ति की है और क्या पीछे छूट गया। किन क्षेत्रों में सफल हुए और कहाँ असफलता हाथ आई।

हिंदी भाषा का मूल स्वरूप बदलता हिंग्लिश का हस्तक्षेप

संजीव

हिंदी व्याकरण के दृष्टिकोण से एक समृद्ध भाषा है और इसका इतिहास भी बहुत अवार्चीन है प्रसिद्ध साहित्यकार कमलापति त्रिपाठी ने कहा है कि हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। भारत क्षेत्रफल तथा जनसंख्या की दृष्टि से एक वृहद तथा विशाल देश है यहां अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग भाषाएं तथा बोलियां बोली जाती है। किंतु संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली हिंदी भाषा ही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इतिहास में विभिन्न काल खंडों विदेशी आक्रमणकारियों के भारत देश में आ जाने से तथा भारत में ही बस जाने से हिंदी भाषा को समृद्ध तथा विकासवान होने का अवसर मिलो विदेशी भाषा के कई शब्द हिंदी में ऐसे घुल मिल गए हैं जैसे वह मूलतः हिंदी के शब्द हों, किंतु अंग्रेजों के आने से अंग्रेजी भाषा ने ना केवल अंग्रेजी को भारत में संपूर्ण रुप स्थापित तथा प्रचलित करने भरसक प्रयास किया, बल्कि हिंदी के मूल स्वरूप को छिन्न-भिन्न करने हिंदी के कलेवर को नष्ट करने का प्रयास कियो ब्रितानी हुकूमत ने अपने कार्यकाल में अंग्रेजी के वर्चस्व को बढ़ावा देकर धीरे धीरे भारतीय जनमानस के दिलों दिमाग पर यह धारणा स्थापित कर दी कि अंग्रेजी के ज्ञान के बिना तथा इंग्लिश भाषा को आत्मसात किए बिना उनके जीवन में विकास नहीं आ सकतो तथा वह वैश्विक स्तर पर निम्नतर होकर सफलता की बुलंदियों को नहीं छू सकते इस प्रकार भारत की मूल संस्कृतिक भाषा हिंदी को अपने वर्चस्व के लिए संघर्षरत रहना पड़ रहा है। अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाऐ जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नस्तर माना जाने लगा मूलत हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंगलिश का इस्तेमाल करना माना जाता है। उदाहरण के लिए हिंगलिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है।

न्यूज फ्लैश

प्रभु पाश्र्व जन्म कल्याणक पर भजन संध्या आज

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

जैन परंपरा के तेईसवें तीर्थंकर श्री चिंतामणि पाश्र्वनाथ भगवान के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में एक शाम प्रभु पाश्र्व के नाम भजन संध्या भारत संत गौरव श्री पीयूष मुनि जी महाराज के पावन सान्निध्य में 31 दिसंबर को तीर्थस्थल श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में इदोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है।

भजन संध्या की अध्यक्षता नवीन जैन (अरिहंत ट्रेडर्ज, अंबाला छावनी) करेंगे। झंडा फहराने की रस्म प्रधान अशोक जैन, कमीशन एजेंट मुलाना के करकमलों से होगी और प्रभु पाश्र्व दरबार का अनावरण समाजसेवी पुनीत जैन, कमीशन एजेंट बनूड़ वाले संपन्न करेंगे। दोपहर लंगर की सेवा जैन एंड कंपनी प्रॉपर्टीज, करनाल की ओर से रहेगी और कार्यक्रम की समाप्ति पर अल्पाहार का प्रबंध राजेंद्र जैन (पूर्व जैन सभा प्रधान, घरौंडा) के सौजन्य से रहेगा। भक्ति गीतों से प्रभु का गुणगान पद्मावती म्यूजिकल ग्रुप, जीरकपुर द्वारा किया जाएगा।

जीवन में सफलता प्राप्त करने का प्रयत्न करते रहना चाहिए: उपासना सिंह

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। **ओपीएस विद्या** मंदिर में वार्षिक उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपासना सिंह ने शिरकत की, जो भारतीय फिल्म अभिनेत्री होने के साथ-साथ स्टैंडअप कॉमेडियन भी हैं। वे अपने ऑन स्क्रीन स्टाइल, पंजाबी और मजेदार अंग्रेजी डायलॉग डिलीवरी के लिए लोकप्रिय हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मेयर रेणु बाला गुप्ता, जेल अधीक्षक अमित भादू की धर्मपत्नी शशि भादू, अनीता जैन, अलीशा जैन, आरती भादू एवं अंशुमान भादू ने शिरकत की। विद्यालय की प्रबंधक समिति के अंतर्गत चेयरपर्सन सुषमा बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर अमन बंसल, एकेडमिक डायरेक्टर पूर्ति बंसल एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. जसजीत सूद के दिशा-निर्देश निर्देश में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति जी की आराधना से किया गया। उसके उपरांत विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी, जिनका उद्देश्य स्मार्ट फोन और मोबाइल को अपने ऊपर हावी ना होने देना व आत्म संयम रखना रहा। छोटे-छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों जैसे ड्रीम डांस, क्लासिकल डांस, कव्वाली, माइम ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि उपासना सिंह ने अपने बचपन की यादों को बच्चों के साथ सांझा किया और कहा कि बच्चों की जिस क्षेत्र में रुचि हो, जीवन में उस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का प्रयत्न करते रहना चाहिए। सफलता अवश्य मिलती है। साथ के साथ उन्होंने कहा कि शिक्षण में भी अभिनय का बहुत महत्व होता है, जो कि आज मंच पर देखने को मिला है। बच्चों के अभिनय से यह सीख मिलती है कि किस तरह से हमें अपने जीवन में भौतिक चीजों का संतुलन बनाकर रखना है।

मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए जीवंत मंचन ने हम सबके मन पर गहरी छाप छोड़ दी है। शशि भादू ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रदर्शित नैतिक मूल्यों तथा आदर्शों की सराहना की। इस अवसर पर चेयरपर्सन सुषमा बंसल ने मेडिटेशन और योगा को जीवन में अपनाने का अनुरोध किया।

मैनेजिंग डायरेक्टर अमन बंसल ने कहा कि एक मोबाइल फोन छात्रों के लिए इंटरनेट की विशाल दुनिया की खिडक़ी है, जो अक्सर छात्रों का ध्यान भटका सकता है इसलिए इसका प्रयोग बुद्धिमत्ता से करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

सैशन जज ने किया जिला जेल, प्लेस आफ सेफ्टी और श्रद्धानंद अनाथालय का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रशेखर एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी सौरभ खत्री आज जिला कारागार पहुंचे, जहां उन्होंने बंदियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों से बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं के उचित निवारण हेतु आव्यक दिशा-निर्देश पारित किए। इसके अलावा उन्होंने वीसी कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ जेल अधीक्षक, उपाधीक्षक एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता सोनू कुमार भी उपस्थित रहे।

इसके पश्चात सैशन जज चन्द्रशेखर व सौरभ खत्री करनाल प्लेस आफ सेफ्टी पहुंचे, जहां उन्होंने यहां रह रहे ज्यूविनायलों से बातचीत की। मौका पर सुपरिंटेंडेट, प्लेस आफ सेफ्टी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि कक्षा दसवीं व बारहवीं के लिए जितने भी ज्यूविनायलो ने परीक्षा दी थी, उन्होने परीक्षा पास की है।चन्द्रशेखर ने सभी उत्तीर्ण ज्यूविनायलों को बधाई दी और भविष्य में आगे की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

युवक की हत्या मामले में हुआ सनसनीखेज खुलासा

पड़ोस की महिला के साथ था अफेयर, प्रेमिका ने दूसरे प्रेमी से करवाया मर्डर

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिले के मुगल माजरा गांव के सुमित की हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। 23 दिसंबर की रात को हत्या के बाद उसका शव नहर में फेंका गया था, जो कि अभी तक भी बरामद नहीं हुआ है। परिजन भी मान चुके हैं कि सुमित का 6 वर्ष से पड़ोस की एक महिला के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब 2 साल से महिला का दूसरे प्रेमी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक की 17 जनवरी को शादी होनी थी। इसके चलते महिला सुमित को कम भाव देने लगी थी। महिला की परेशानी को देखकर दूसरे प्रेमी ने सुमित की हत्या की और रात को ही शव को ठिकाने लगा दिया। दोनों उसके शव को पल्ली में बांध कर बाइक पर रखकर ले गए और कुराली के पास पश्चिमी यमुना नहर में फेंक दिया। आरोपी महिला व दूसरे प्रेमी ने यह खुलासा पुलिस पूछताछ में किया है। सुमित 5 साल से एक की जगह पर ड्राइवर की नौकरी कर रहा था। सुमित के छोटे भाई शक्ति ने बताया कि उसका भाई ड्राइवरी का काम करता था और करीब 5 साल एक ही जगह पर था। सुमित सबसे बड़ा था और उससे छोटे दोनों भाई भी अपना अपना काम करते हैं। घर वाले भी उसकी शादी की तैयारी कर रहे थे।

रिश्ता तय हो चुका था और आने वाली 17 जनवरी को सुमित की शादी होनी थी। घर में खुशियों का माहौल था, लेकिन उनकी खुशियों को ग्रहण लग गया। शक्ति बताता है कि 23 दिसंबर की रात को करीब आठ बजे उसका भाई खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर चला गया था। यह सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि वह घर पर अकेला आ रहा है। बाद में सवा 9 बजे जब उसके पास महिला का फोन आया, वह उससे मिलने के लिए चला गया। इसके एक घंटे बाद महिला व उसका प्रेमी बाइक पर जाते हुए दिखते हैं और शव को बीच में लेकर रखकर नहर की तरफ लेकर जाते हैं। पुलिस पूछताछ में यह सामने आया कि महिला सुमित से परेशान हो चुकी थी। 23 दिसंबर को जब सुमित को महिला ने घर पर बुलाया तो उसकी जानकारी दूसरे प्रेमी को थी। आरोपी ने सुमित को रास्ते में ही रोक लिया। उसको अपने साथ खेत में लेकर गया। जहां पर उसके साथ मारपीट कर हत्या कर दी और महिला को फोन कर उसे जानकारी दी। इसके बाद महिला ने कहा कि वह उसकी लाश को देखना चाहती है। आरोपी महिला को घर से लेकर आता है और खेतों में ले जाता है। जहां पर सुमित के शव को प्लास्टिक की पल्ली में बांधकर बाइक के बीच में रखते हैं और नहर में शव फेंकने के लिए चले जाते है। इसकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई हैं। पिता रमेश ने बताया कि जब आधी रात तक सुमित वापस नहीं लौटा तो पूरे परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। 24 और 25 दिसंबर को भी परिवार ने अपने स्तर पर सुमित को ढूंढने की बहुत कोशिश

पुलिस एएसआई की वाहन द्वारा कुचले जाने से मौत

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। जिले के इंद्रगढ़ गांव के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने पुलिस के एएसआई को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रात को घने कोहरे का फायदा उठाकर ड्राइवर वाहन समेत फरार हो गया। मृतक एएसआई की पहचान ऋषिपाल के तौर पर हुई है। वह अगले साल अक्टूबर महीने में रिटायर्ड होने वाले थे। इनका बेटा आस्ट्रेलिया में है और उनके आने के बाद कल अंतिम संस्कार किया जाएगा।

ग्रामीण अनुज ने बताया कि एएसआई ऋषिपाल फिलहाल मधुबन थाने में तैनात था। शुक्रवार शाम को वह बाइक पर सवार होकर घर से इन्द्री बाजार में कुछ सामान लेने के लिए जा रहा था। इंद्री रोड पर चढ़ा तो पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन से उसे टक्कर मार दी। वह नीचे गिर गया तो वाहन उसको कुचलते हुए ऊपर ये निकल गया।

सडक से गुजर रहे लोगों ने ऋषिपाल को इंद्री अस्पताल में पहुंचाया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में उसकी बाइक भी बुरी तरह से टूट गई। सूचना मिलते ही ऋषिपाल के परिजन अस्पताल पहुंचे। रात को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया। कल बड़े बेटे के आस्ट्रेलिया से वापस आने के बाद राजकीय सम्मान के साथ गांव में उनका अंतिम संस्कार होगा।

परिजन अनुज ने बताया कि ऋषिपाल सन 1993 में पुलिस में सिपाही के पद पर भर्ती हुआ था। अब उसे पुलिस महकमें में नौकरी करते हुए 30 साल हो चुके थे।

'भारत को यदि एक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

भारत को यदि एक विकसित राष्ट्र बनाना है तो हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भरपूर प्रयास कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश ने बहुत सी उपलब्धियां हासिल की हैं और निरंतर अग्रसर है। हम सबको मिलकर प्रधानमंत्री का साथ देना होगा। यह बातें पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने शनिवार को बस्तली में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। विकसित भारत यात्रा के गांव बस्तली में पहुंचने पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

उन्होंने कहा कि भारत देश आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के लक्ष्य पर काम कर रहा है। भारत के लिए अगले 25 साल बहुत ही अहम हैं, 2047 तक हमें मिलकर भारत को आत्मनिर्भर और विकसित देश बनाना है। समाज के कमजोर वर्ग को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार संकल्पबद्ध है। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से सभी लोगों तक सभी सरकारी योजनाओं की जानकारियों को पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को कृषि यंत्र खरीदने पर सब्सिडी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य में आधुनिकीकरण किया जाए, इसके लिए भी प्रदेश सरकार द्वारा कई प्रकार की योजनाएं तैयार कर किसानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योग्यतानुसार ऋण देकर लघु उद्योग स्थापित करने के अवसर प्रदेश सरकार द्वारा दिये जा रहे है ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान उपस्थित जन समूह को संकल्प शपथ भी दिलवाई गई। पूर्व विधायक ने विभिन्न विभागों की और से लगाई गई स्टॉल्स का भी अवलोकन किया और योजनाओं की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से देश-प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन का दौर शुरू हुआ है, जिसके परिणाम स्वरूप अंतिम व्यक्ति को घर बैठे सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति किसी वजह से सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाए हैं तो वे अब इस यात्रा के दौरान अपने गांव में ही आवेदन कर योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।

गैस सिलेंडरों की सप्लाई करने वाले ड्राइवर गए हड़ताल पर

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। गुढ़ा गैस प्लांट से सिलेंडरों की सप्लाई करने वाले ट्रक व टैंकर ड्राइवरों ने हड़ताल कर दी है। न तो कोई टैंकर प्लांट के अंदर जा रहा है और न ही प्लांट से सिलेंडर की गाडि?ां भरकर बाहर आ रही हैं। ऐसे में हड़ताल कब तक जारी रहेगी, इसको लेकर भी कुछ कहा नहीं जा सकता।

दरअसल ट्रक ड्राइवर व ऑपरेटर आइपीसी के तहत सडक दुर्घटना के नए कानून का विरोध कर रहे हैं। नए नियम के तहत ट्रक की चपेट में आने से किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो आरोपी ड्राइवर पर 10 लाख के जुमार्ने

के साथ-साथ 10 साल की सजा का प्रावधान कर दिया गया है, जिससे ट्रक ड्राइवर इस नियम से नाराज है।

गुढा गैस प्लांट के ट्रक ड्राइवरों व ऑपरेटरों का कहना है कि पहले अगर सडक दुर्घटना हो जाती थी तो उन्हें बेल मिल जाती थी और उनका केस चलता रहता था, लेकिन अब सरकार ने पूरा का पूरा रास्ता ही रोक दिया है। सडक दुर्घटना होती है तो उन्हें मजबूरन भागना पड़ता है, क्योंकि अगर वे मौके पर रूके तो पब्लिक उन्हें जान से मार देंगी। कोई भी ड्राइवर जान बूझकर दुर्घटना नहीं करता है।

यूपी के बदमाशों ने की युवक की हत्या, फिल्मी अंदाज में दिया वारदात को अंजाम

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। यूपी के बदमाशों ने युवक की पुरानी रंजिश के चलते हत्या कर दी। रात करीब 10 बजे उत्तम नगर में 10 से 15 बदमाश पूरी तैयारी के साथ आए थे। सभी के हाथ में तेजधार हथियार व पिस्टल थी। युवक को फिल्मी अंदाज में तेजधार हथियारों के साथ बार-बार वार करके मौत के घाट उतारा गया। इतना ही नहीं बदमाशों ने गली के लोगों को भी धमकी दी कि अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर निकला तो उसको भी गोली मार दी जाएगी, जिसके बाद लोग डर के मारे घर से बाहर नहीं निकल पाए।

दूसरी ओर परिजन आज आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिला सचिवालय में एसपी शशांक कुमार सावन से मिलने के लिए पहुंचे। जहां पर उन्होंने शव को उठाने मना कर दिया था, लेकिन डीएसपी के आश्वासन के बाद परिजन शव उठाने को तैयार हो गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार रात 10 बजे बदमाश पूरी प्लानिंग बनाकर आए थे। आरोपियों ने पहले बाइक पर दो युवकों को उत्तम नगर निवासी 32 वर्षीय सोनू के घर भेजा, ताकि वह उसे घर से बाहर बुला सकें। जैसे ही बदमाशों ने सोनू को बुलाया तो वह रात को गेट पर पहुंचा। जैसे ही

सनसनी

8 पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अगर पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो उसका बेटा आज जीवत होता

बाहर निकला तो बदमाशों ने उसे वहीं पर दबोच लिया और बाकी बदमाश भी पीछे-पीछे उसके घर में घुस गए। इसके बाद लगातार कई बार उस पर चाकुओं और तेजधार हथियारों आदि से वॉर किए गए। मृतक सोनू के पिता कंवरपाल ने बताया कि इस दौरान बदमाशों ने हम सबको घर में बंधक बना लिया। मेरा बेटा सोनू अपनी जान बचाने के लिए घर के बाहर गली में भागा और अपनी दुकान में भी घुसा, लेकिन बदमाशों ने उसे नहीं छोड़ा। बाद में बदमाश उसे घर से घसीटते हुए बाहर लेकर आए और उसके पूरे शरीर पर तलवारों से गंडासियों व चाकूओं से वॉर किए। पूरे घर व गली युवक का खून बिखरा पड़ा था। लेकिन कॉलोनी में किसी भी हिम्मत नहीं पड़ी कि सोनू को बदमाशों से छुड़वा लें। यह सब सोनू के छोटे-छोटे बच्चों व परिवार के सामने हो रहा था और देखते ही देखते सोनू ने अपने बच्चों की आखों के सामने दम तोड़ दिया। कंवर पाल ने बताया कि सोनू का करीब तीन माह पहले यूपी के कुछ युवकों से विवाद हो गया था। पहले भी सोनू के साथ मारपीट की गई थी और उसे जान से मारने की धमकी दी थी, जिसकी शिकायत पुलिस से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसने बताया कि 15 दिन पहले भी उसके बेटे के पास धमकी भरा फोन आया था, जिसमें बदमाश ने बेटे को कहा था कि तुझे मारने के लिए 5 लाख रुपए की सुपारी ली है मैंने, अगर जीना चाहता है तो घर छोडकर भाग जा। इसकी भी शिकायत पुलिस को की, लेकिन उसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अगर पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो उसका बेटा आज जीवत होता।

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी बढ़ा रही है लोगों का विश्वास: रेनू बाला

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। मेयर रेनू बाला गुप्ता ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान गांव जड़ौली में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि देशवासियों को विकसित भारत के संकल्प से जोडने का ये अभियान लगातार विस्तार ले रहा है। मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां भी जा रही है, वहां लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जन-जन के सशक्तिकरण को समर्पित कल्याणकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन हेतु सरकार कटिबद्ध है। मेयर रेनू बाला गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सोच है कि आम आदमी सुचारू रूप से जिंदगी जिए और सरकार की जनकल्याणिकारी नीतियों एवं योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति को मिले।

उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के ऐसे वंचितों को प्राथमिकता दी है, जो दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे और उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। गरीब परिवारों का चूल्हा धुंआ रहित हो, इसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए हैं। उन्होंने ने कहा कि अब हरियाणा में एक लाख 80 हजार रुपये से कम आय वाले परिवार की बेटी को कॉलेजों में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। ऐसे गरीब परिवार जिन के घर में कोई नौकरी नहीं है उसे 5 अंक अतिरिक्त दिए जा रहे हैं। इस मौके पर मेयर ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया।

गोदाम से बारदाने के बंडल चोरी करने वाले दो आरोपी काबू

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

थाना घरौंडा की टीम ने शिकायतकर्ता रामकुमार के पनोड़ी रोड घरौंडा पर स्थित आकाश एग्रोटेक लिमिटेड के गोदाम से 25 दिसंबर को करीब तीस बंडल बारदाने के चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को कस्बा घरौंडा से गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता की शिकायत पर थाना घरौंडा में 26 दिसंबर को चोरी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी अमित कुमार पुत्र कृष्ण लाल वासी घरौंडा और रजत पुत्र मामचंद वासी अराईपुरा को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर उनके कब्जे से चुराए गए बारदाने के बंडल और वारदात में इस्तेमाल टेंपो एचआर 45बी 3210 बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में पाया गया कि दोनों आरोपियों ने अपने तीसरे अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी नशेड़ी किस्म के व्यक्ति हैं।

'22 लाख रुपये की लागत से बनेगा शर्फली खेड़ी में शहीदी द्वार'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। पूर्व विधायक सरदार बक्शीश सिंह ने शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव शर्फली खेड़ी गांव में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब आदमी के घर में बीमार व्यक्ति के इलाज की सुदृढ़ व्यवस्था की है। आयुष्मान व चिरायु कार्ड से गरीब व्यक्ति के स्वास्थ्य के सपने साकार हो रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि शर्फली खेड़ी गांव में जल्द ही मुख्य प्रवेश पर 22 लाख रुपये की लागत से शहीदी द्वार

बनाया जाएगा, जिसका अस्टिमेट बनाकर पहले ही सबंधित विभाग द्वार तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गरीब आदमी के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए आयुष्मान कार्ड शुरू किया है और प्रदेश सरकार ने 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवारों के लिए निशुल्क रूप से आयुष्मान कार्ड की व्यवस्था की है। इन परिवारों का स्वत ही बीपीएल कार्ड और आयुष्मान कार्ड बन रहा है। इसके साथ-साथ इन्हें अन्य योजनाओं का लाभ भी स्वत ही मिल रहा है।

पूर्व विधायक बक्शीश सिंह ने सभी विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल का अवलोकन किया और सभी को निर्देश दिए के एक भी आदमी का काम नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ जन संवाद भी किया और एक-एक करके सभी सभी की समस्याएं लिखित रूप में स्वीकार की और संबंधित विभागों को अग्रेषित किया। इस अवसर उपस्थित जन समूह को भाजपा नेता सज्जन अत्री ने विकसित भारत संकल्प की शपथ भी दिलवाई।

बलहेड़ा और खरकाली पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। विकसित भारत संकल्प यात्रा आज जिला के गांव बलहेड़ा और खरकाली पहुंची। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा में एक समय था जब जनता को बहकाने के लिए कर्ज और बिजली बिल माफ करने जैसे झूठे वादे किए गए लेकिन अब वह समय बीत गया है। सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले, इसीलिए सरकार आज यात्रा के माध्यम से गांवों में पहुंच रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि समाज को बांटने के लिए बहुत से लोग आपके बीच में

आएंगे। इनसे पूछना कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने समाज हित में क्या किया? भाजपा झूठ में विश्वास नहीं रखती। उसकी कथनी और करनी एक है।

गांव बलहेड़ा पहुंचने पर सरपंच सागर और खरकाली में सरपंच कर्मबीर ने विधायक का स्वागत किया। हरविंद्र कल्याण ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। इससे पहले ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया और हरियाणा के विकास पर बनी फिल्म दिखाई गई। बिजेंद्र नरवाल व उनकी पार्टी ने विकासात्मक गीत प्रस्तुत किये। विधायक ने बलहेड़ा और जगदीश राणा ने खरकाली में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। विधायक ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य तेजी से जारी हैं। सरकार का प्रयास है कि सामूहिक विकास कार्यों के साथ-साथ पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ मिले। यदि कोई पात्र व्यक्ति अभी तक योजना का लाभ नहीं उठा सका है तो वह आज गांव पहुंची मोदी की गाड़ी के माध्यम से उठा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री को गरीब हितैषी व राष्ट्रभक्त बताते हुए कहा कि मोदी ने पीएम पद संभालते ही गरीबों के कल्याण की योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। इन योजनाओं का लोगों को फायदा भी पहुंचना शुरू हो गया है। अब कांग्रेस शासन की तरह करोड़ों के घोटाले सुनने को नहीं मिलते। जनता नेताओं को वोट इसलिए देती है कि वे समाज की सेवा करें, न कि अपना घर भरें। इस मौके पर विधायक द्वारा दोनों गांवों में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी गई।

बलहेड़ा में आज रफत अली, मंगाराम, जमील, प्रभजोत कौर और महिपाल के बीपीएल कार्ड बनाए गए। खरकाली में 25 आयुष्मान और एक बीपीएल कार्ड तथा एक व्यक्ति की पेंशन बनाई गई। इस अवसर पर बलहेड़ा गांव में महमूद, मुशय्यदा और जुल्फाना को उज्जवला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। साथ ही सलेमन, साहिदान और हनीशा की पेंशन बनाई गई।

करनाल की बेटी और परिवार की अमेरिका में मौत, तीनों के शव घर में पड़े मिले

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। हरियाणा के प्रसिद्ध वकीलों में से एक करनाल के तेजेंद्र पाल सिंह बेदी के दामाद, बेटी और नाती अमेरिका में संदिग्ध हालातों में मृत पाए गए। हत्या है या फिर आत्महत्या, इस पहलू पर अमेरिकन पुलिस जांच कर रही है। इस हृदय विदारक घटना से बेदी परिवार टूट सा गया है। सामाजिक, राजनीतिक व गणमान्य लोग करनाल में बेदी निवास पर पहुंचकर टीपी बेदी व उनके परिवार को सांत्वना देने के लिए पहुंच रहे है।

करनाल के मॉडल टाउन निवासी एडवोकेट बेदी ने करीब 25 साल पहले ही अपनी बेटी टीना की शादी करनाल में ही धूमधाम से की थी। शादी के बाद टीना अपने पति के साथ अमेरिका चली गई थी, क्योंकि लडके का अमेरिका में ही बहुत बड़ा बिजनेस था। एडवोकेट बेदी का दामाद राकेश कमल मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है, लेकिन वर्ष 1960 से उनकी पूरी फैमिली अमेरिका में है। वहीं पर राकेश का जन्म हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वर्ष पहले ही टीना अपने पति व बेटी के साथ करनाल में अपने पिता से मिलने के लिए आई थी। अब एडवोकेट बेदी और उनका परिवार अपनी बेटी की यादों को याद कर करके बिलख रहा है। अमेरिका में ही तीनों का अंतिम संस्कार होगा। करनाल में पूर्व विधायक सुमिता सिंह, कांग्रेस नेता त्रिलोचन, नहर सिंह संधू व अन्य ने इस घटना को भयानक त्रासदी बताया है। एडवोकेट टीपी बेदी का दामाद 57 वर्षीय राकेश कमल, 54 वर्षीय बेटी टीना व 18 वर्षीय नाती एरियाना अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में अपनी पांच मिलियन अमेरिकन डॉलर की हवेली में रहते थे।

मनोवैज्ञानिकों की मानें तो जलवायु परिवर्तन के कारण बच्चों में अब चिंता, दुख और डिप्रेशन जैसी बीमारियां बड़ी तेजी से फैल रही हैं। इसके अलावा पूरे विश्व के बच्चे इको-एंजायटी नाम की मानसिक परेशानी से जूझते नजर आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का बच्चों के स्वास्थ्य पर हो रहा बुरा असर

जलवायु परिवर्तन आज एक ग्लोबल प्रॉब्लम बन चुकी है। पूरा विश्व इस परेशानी से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण से मौत का आंकड़ा स्वास्थ्य संबंधी कारणों से होने वाली मौत को लेकर तीसरा सबसे खतरनाक कारण है। जलवायु परिवर्तन से होने वाली बीमारियों में सबसे ज्यादा मानसिक बीमारियां हैं, लेकिन सबसे खतरनाक बात यह है कि हमारे बच्चे अब जलवायु परिवर्तन से होने वाली बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो बच्चों में अब चिंता, दुख और डिप्रेशन जैसी बीमारियां बड़ी तेज गति से बढ़ रही हैं। इसके अलावा बच्चों में अब जलवायु परिवर्तन को लेकर एक अजीब सी चिंता पैदा हो रही है, जिसे मनोवैज्ञानिक इको-एंजायटी का नाम दे रहे हैं। दरअसल बच्चों को लगता है कि यह धरती अब उनके रहने लायक नहीं बची है। बच्चों के दिमाग में यह बात घर कर गई है कि जब तक वे बड़े होंगे, तब तक जलवायु परिवर्तन के कारण यह धरती नहीं बचेगी। इसी को देखते हुए कुछ दिनों पहले ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा है कि बच्चों को व्यवहार में आ रहे बदलाव का कारण कहीं न कहीं खराब जलवायु भी है।

रिपोर्ट में इस बात को लेकर चिंता की गई है कि बच्चों की जिंदगी पर जलवायु परिवर्तन के खतरे के संबंध में पर्याप्त प्रमाण होने के बावजूद इस पर अब भी नीतिगत स्तर पर सार्वजनिक बहस नहीं होती और न ही कोई पहल कदमी के प्रयास दिखते हैं। बाल अधिकारों की वैश्विक संस्था सेव द चिल्ड्रेन द्वारा जारी फीलिंग द हीट-चाइल्ड सरवाइवल इन चेंजिंग क्लाइमेट नामक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर बच्चों की सेहत को सबसे बड़ा खतरा जलवायु परिवर्तन से है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में बच्चों पर जलवायु परिवर्तन का ऐसे असर पड़ सकता है-

डायरिया का खतरा

जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर शोध करने वाले शोधकर्ताओं की मानें तो एशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में डायरिया के मामलों में 10 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा जल-संक्रमण से होने वाली अन्य बीमारियों की तादाद में भी बढ़ोतरी होगी। रिपोर्ट के अनुसार डायरिया के ज्यादातर मामलों में मूल कारण साफ-सफाई की कमी और स्वच्छ पेयजल का अभाव है। दुनिया में तकरीबन 1 अरब 30 करोड़ लोगों को स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं है और अगर जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप विश्व का तापमान 2 डिग्री सेंटीग्रेड और बढ़ गया तो 1 अरब 30 करोड़ अतिरिक्त आबादी साफ पेयजल से महरूम होगी। इससे डायरिया और जल के संक्रमण से होने वाली बीमारियों का प्रकोप तेज होगा।

मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों के प्रकोप में इजाफा

इसके अलावा रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन, आबादी की बढ़ोतरी, जमीन के इस्तेमाल के बदलते तरीके और निर्वनीकरण की स्थितियां एक साथ मिलकर मलेरिया और डेंगू जैसी कई बीमारियों के प्रकोप में इजाफा करेंगी और इसका सर्वाधिक शिकार बच्चे होंगे। गौरतलब है कि सालाना 10 लाख बच्चे सिर्फ मलेरिया की चपेट में आकर मरते हैं। इनमें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की तादाद 80 फीसदी होती है। यदि दुनिया में इसी तरह प्रकृति, जल और वायु के मुद्दों को लेकर लोकचेतना को नहीं बढ़ाया गया तो हम अपने ही बच्चों इन खतरनाक बीमारियों से बचा नहीं पाएंगे।

दिमागी बुखार और जानलेवा इंफेक्शन का फैलना

किसी मक्खी या मच्छर से फैलने वाली नई बीमारियां हर साल पैदा हो रही हैं, जिससे सबसे बच्चे ज्यादा पीड़ित होते हैं। दिमागी बुखार और मौसमी इंफेक्शन कहीं न कहीं जलवायु परिवर्तन का ही असर है। एकदम से किसी मौसम में फैलने वाले इंफेक्शन किसी खास टेंप्रेचर में ही फैलते हैं। जिस तरह से हम पृथ्वी का दोहन कर रहे हैं, इससे यह सारी बीमारियां और फैलेंगी और हर बार यह नए रूप में आएंगी।

मानसिक रोग और डिप्रेशन

यह बहुत दुखद है कि आजकल के छोटे-छोटे बच्चे भी मानसिक रोगों का शिकार हो रहे हैं। वह अपने उम्र से ज्यादा मैच्योर होते हैं और इस तरह वह बड़ी जल्दी ही मानसिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। अचानक से किसी भी बात पर गुस्सा करना, चिड़चिड़ाहट और दुखी हो जाना यह सब मानसिक बीमारियों की तरफ ही संकेत करती हैं। बच्चों में अवसाद या डिप्रेशन जैसी बीमारियां प्रदूषित शहरों में ज्यादा फैल रहीं हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि जलवायु परिवर्तन का सच में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है।

रेसिपी

छोलार दाल

सामग्री

■ चना दाल: 1/2 कप ■ हल्दी पाउडर: 1/4 टेबलस्पून ■ नारियल: 2 टेबलस्पून ■ 8 किशमिश ■ 5 काजू ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ हींग: 1/2 टीस्पून ■ 1 तेज पत्ता ■ दालचीनी: 1 टुकड़ा ■ 2 लौंग ■ 2 हरी इलायची ■ अदरक: 1/2 टीस्पून ■ सूखी लाल मिर्च ■ 1 हरी मिर्च ■ तेल: 1 टेबलस्पून ■ घी: 1/2 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पानी: 1 1/2 कप ■ चीनी: 1/2 टीस्पून

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में चने की दाल और पानी डालकर 30 मिनट के लिए रख दें। अब प्रेशर कुकर में दाल, 1 कप पानी, हल्दी पाउडर और नमक डालकर 4-5 सीटी लगा लें। अब धीमी आंच पर एक पैन रखें। इसमें तेल और घी गर्म करने रख दें। इसमें नारियल, काजू, किशमिश डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कर लें। अब इन्हें एक प्लेट में निकालकर रख लें। अब उसी पैन में जीरा, हींग, तेज पत्ता, दालचीनी, लौंग, इलायची, अदरक और सूखी लाल मिर्च डालकर कुछ सेकंड के लिए चलाते रहें। अब पकी हुई दाल को इसमें डाल दें। ऊपर से हरी मिर्च, नारियल, काजू और किशमिश डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और 4 मिनट तक पका लें। अब 1/2 कप पानी और चीनी डालकर 5 मिनट तक पका लें। तय समय बाद गैस बंद कर दें। तैयार है बंगाली स्टाइल वाली छोलार दाल। इसे लुची साथ सर्व करें।

दही शिमला मिर्च की सब्जी

सामग्री

- 3 शिमला मिर्च, टुकड़ों में कटा हुई
- बेसन: 2 टेबलस्पून
- 1 प्याज मीडियम कटा हुआ
- ताजा दही: 1 कप
- तेल: 1 टीस्पून
- हल्दी पाउडर: 1 टीस्पून
- जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

दही शिमला मिर्च की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले शिमला मिर्च को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक कटोरी में दही और बेसन डालकर फेंट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म होने के लिए रखें। तेल गर्म होने पर शिमला मिर्च डालकर चलाते हुए नरम होने तक भून लें। अब प्याज, हल्दी पाउडर और नमक डालकर चलाते हुए भून लें। इसके बाद दही बेसन का घोल डालकर मिक्स कर लें। 5 मिनट तक ढककर पका लें और बीच-बीच में सब्जी को चलाते रहें। जब बेसन गाढ़ा होने लगे तो लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर और काली मिर्च पाउडर डालकर चलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। तय समय बाद आंच बंद कर दें। तैयार है गर्मागर्म दही शिमला मिर्च की सब्जी। इसे रोटी के साथ खाएं-खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बन लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्यवसायिक का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।

युवती बोली- तुमने ये क्या किया?

युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।

युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।

युवक- अब ये क्या था?

युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

काकुरो पहेली - 1611

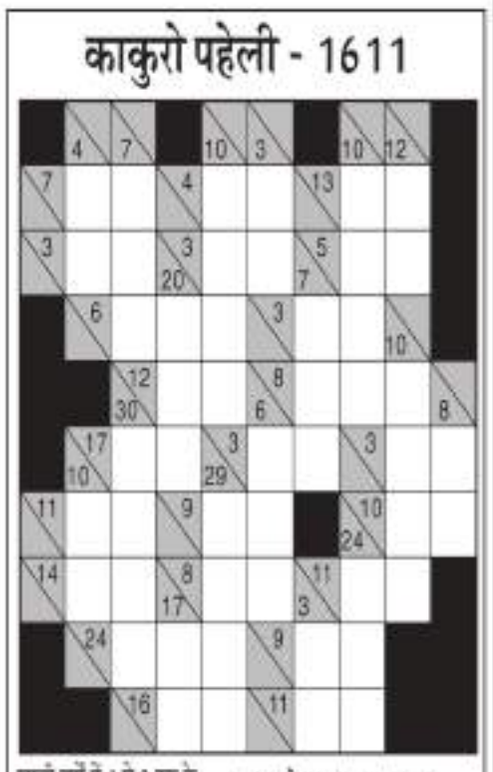

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओड़ हल्के रंग के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

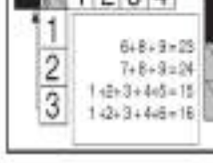

काकुरो - 1610 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 1611

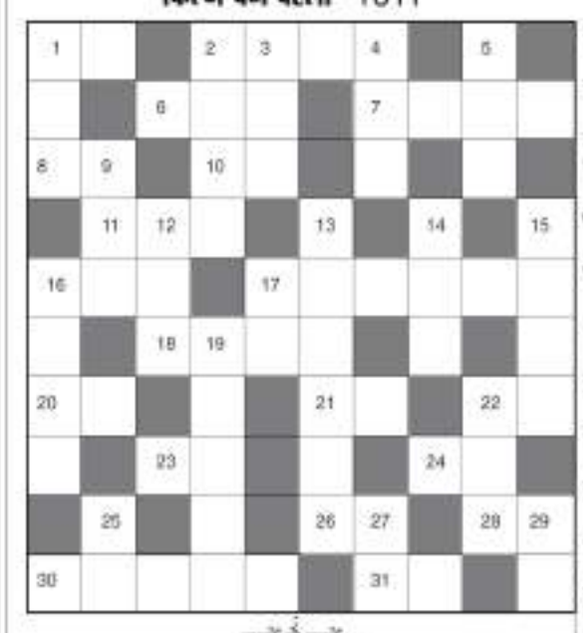

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मी मैया मी चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने पास की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा को 'चंदनी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान, रेवती की 'आया लिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, वहीदा की 'ना ये चाँद थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पठ्ठा आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, ट्विंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'क तु तु दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. मंजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरु, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1610

सूडोकु -1611

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1610 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 1611

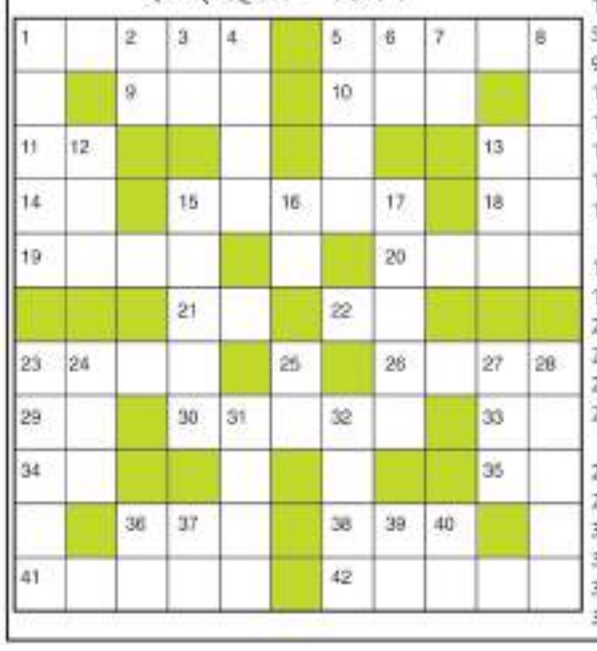

बाएँ से दाएँ

1. यश प्राप्त करना-5
5. चतुर, जहीन-5
9. दया, तरस-3
10. कामदेव-3
11. लीन, तल्लीन-2
13. बोली, आवाज-2
14. राजदुर्वा-2
15. एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18. मत, सलाह-2
19. जो लायक न हो-4
20. अधीनस्थ-4
21. कहानी, गाथा-2
22. कर्णेन्द्रिय-2
23. कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26. दान देने वाला-4
29. वरदान, दूल्हा-2
30. पानी का नाला-2,3
33. सूर्य, दिनकर-2
34. भीगा हुआ-2
35. सुर आलाप-2
36. फूलों का रस, अर्क-3
38. रंग, छिलेर-3
41. अस्तमंद-5
42. सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1. नामकरण-5
2. टैक्स, शुल्क-2
3. महीना, मास-2
4. नामवर, प्रसिद्ध-4
5. संधि, सामंजस्य-4
6. सरूर, नशा-2
7. झंकार-2
8. रमण योग्य-5
12. जगाई, नींद-3
13. सुअर-3
15. अभिमान मर्दित होना -2,3
16. समाप्त-2
17. नेकनीयती-5
23. हनुमान-3,2
24. मुलायम-3
25. उम्मीद, आशा-2
27. बहादुरी-3
28. शिव, त्रिलोचन-2,3
31. नामर्दीन-4
32. सूर्यवलन-4
36. चेहरे का तेज, दर्प-2
37. खिलेदार-2
39. अधिकार-2
40. ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली - 1610 का हल

सेंचुरियन टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। सेंचुरियन में पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत और दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक का जुर्माना लगाया गया है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के क्रिस ब्रॉड ने समय भत्ते को ध्यान में रखते हुए भारत को लक्ष्य से दो ओवर कम पाए जाने के बाद यह सजा दी। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

इसके अलावा, आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खेलने की स्थिति के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, एक पक्ष को प्रत्येक ओवर कम के लिए एक अंक का दंड दिया जाता है। परिणामस्वरूप, भारत के कुल अंकों में से दो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक काट लिए गए हैं। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने अपराध मानते हुए प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

पेनल्टी कॉर्नर के लिए रूपिंदर पाल सिंह के साथ काम कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम

बेंगलुरु। पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदलने की पुरानी समस्या को दूर करने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम रांची में अगले महीने होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर से पहले यहां चल रहे पांच दिवसीय शिविर के दौरान महान ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह के साथ कौशल निखारने में लगी हुई है। हाल में रांची में जापान को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बावजूद भारत ने कई पेनल्टी कॉर्नर के मौके गंवाये थे और कोच यानेके शॉपमैन ने इस विभाग में तुरंत सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। शीर्ष महिला ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने बुधवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) बेंगलुरु में शुरू हुए शिविर को महत्वपूर्ण क्वालीफायर से पहले सीखने के लिए 'परफेक्ट' करार दिया। ओलंपिक क्वालीफायर अगले साल 13 से 19 जनवरी के बीच खेला जाएगा। गुरजीत ने कहा कि हम प्रत्येक दिन नयी चीजें सीख रहे हैं और सुधार करने वाले कुछ विशेष पहलुओं पर ध्यान लगाकार अपने खेल में और सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। रूपिंदर ने हमारे मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हम आगामी टूर्नामेंट की तैयारी में जुटे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि यहां सीखे गये सबक से मैदान में हमारे प्रदर्शन पर काफी अच्छा असर पड़ेगा। हांगझोउ एशियाड में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की कमी साफ दिखाई दी जिसमें टीम ने कांस्य पदक जीता था।

भारतीय क्रिकेट टीम पर बरसा इंग्लैंड का पूर्व कप्तान, बोला- ये कुछ भी नहीं जीत सकते

सेंचुरियन। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से भारत ICC ट्रॉफी जीतने में असमर्थ रहा है, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने टीम को दुनिया की सबसे कम उपलब्धि वाली क्रिकेट टीम करार दिया है। वॉन ने बताया कि प्रतिभा और संसाधनों के बावजूद, भारत उल्लेखनीय प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं रहा है। भारत की आखिरी ICC ट्रॉफी 2013 में आई थी जब एमएस धोनी ने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीत दिलाई थी।

वॉन ने वॉ से पूछा, क्या आपको लगता है कि क्रिकेट के मामले में भारत दुनिया की सबसे कम उपलब्धि हासिल करने वाली खेल टीमों में से एक है। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ने सवाल को वापस वॉन की ओर मोड़ना पसंद किया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हाल के दिनों में ज्यादा कुछ नहीं जीता है। मुझे लगता है कि वे (कम उपलब्धि हासिल करने वाली टीम) हैं। वे कुछ भी नहीं जीत पाए हैं।' आखिरी बार उन्होंने कब कुछ जीता था? वॉन ने कहा, 'उनके पास मौजूद सारी प्रतिभा, सारे कौशल के साथ उन्हें और अधिक हासिल करना चाहिए था।' 2005 एशेज विजेता इंग्लैंड के कप्तान ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला जीतने के भारत के प्रयास शानदार थे, लेकिन उन्होंने कहा कि ब्लू टीम विश्व कप में प्रदर्शन करने में विफल रही है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में दो बार (2018/19 और 2020/21 में टेस्ट सीरीज़) शानदार जीत हासिल की है। लेकिन पिछले कुछ विश्व कप में, (वे) कहीं नहीं थे, पिछले कुछ टी20 विश्व कप में, (वे) कहीं नहीं थे।'

हॉकी इंडिया ने एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के लिए घोषित की 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने शनिवार को 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम प्रतियोगिता में शीर्ष तीन टीमों में से एक बनने और पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए योग्यता हासिल करने के लक्ष्य के साथ रांची में मैदान में उतरेगी।

भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है। इस बीच, जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य पूल ए में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत 13 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच होगा और फिर 16 जनवरी को आखिरी पूल बी मैच में इटली से मुकाबला होगा।

टीम चयन पर भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 हमारी पेरिस 2024 ओलंपिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। यह जरूरी है कि हम सभी खिलाड़ियों की उम्मीदों पर खरे उतरें। टीम योग्यता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, हमने सभी विभागों में अपार कौशल और अनुभव के साथ एक अच्छी तरह से संतुलित टीम चुनी है। इसके अलावा, सविता और वंदना ने अपने अब तक के करियर में कई बार उच्च दबाव वाली स्थितियों का सामना किया है, वे कप्तान और उप-कप्तान के रूप में बाकी टीम का मार्गदर्शन करने के लिए सुसज्जित हैं। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सविता (कप्तान), बिच्छू देवी खारिबाम।

डिफेंडर्स- निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका।

मिडफील्डर- निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, नवनीत कौर, सलीमा टेटे, सोनिका, ज्योति, ब्यूटी डुंगडुंग।

फॉरवर्ड्स- लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया।

जालौन में रोहित शर्मा के भाई क्रिकेट एकेडमी का शुभारम्भ किया

जालौन। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के संरक्षण में चल रही क्रिक किंगडम क्रिकेट एकेडमी का जालौन में शुभारम्भ किया गया। जालौन के उरई पहुंचे रोहित शर्मा के भाई विशाल शर्मा और सिंगापुर क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर पराग दहीवाल ने इस क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन किया। इस एकेडमी को खोलने का मुख्य उद्देश्य पिछड़े बुंदेलखंड क्षेत्र से उत्कृष्ट खिलाड़ियों को निकालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाना है, यह उत्तर प्रदेश की पहली क्रिकेट एकेडमी है, जो निर्धन और प्रतिभावान बच्चों को भी निखारेगी और उनको स्पॉन्सरशिप भी देगी। उरई के झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे 27 स्टेट दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में क्रिक किंगडम क्रिकेट अकादमी के उदघाटन के मौके पर एकेडमी के वाइस प्रेसिडेंट और सिंगापुर क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी पराग दहिवाल ने बताया कि इस अकादमी को खोलने का मुख्य मकसद बुंदेलखंड क्षेत्र से प्रतिभावान खिलाड़ियों को निखरना है, इससे बुंदेलखंड से उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाया जा सके। उन्होंने कहा कि आईपीएल और डोमेस्टिक क्रिकेट से खिलाड़ी जरूर निकल रहे हैं, मगर बुंदेलखंड क्षेत्र से अभी तक कोई भी क्रिकेट खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं निकला है, यहां की प्रतिभाओं का उत्साह देखते हुये भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के भाई विशाल शर्मा के साथ मिलकर उरई में इस क्रिक किंगडम क्रिकेट अकादमी का शुभारंभ किया है।

इंडियन सुपर लीग का 10वां सीजन भारतीय फुटबॉल के लिए गर्व का क्षण: अभिषेक बच्चन

मुंबई। चेन्नइयन एफसी के सह-मालिक अभिषेक बच्चन ने कहा कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का अपने 10वें सीजन में प्रवेश करना देश में फुटबॉल के सभी हितधारकों के लिए बहुत गर्व की बात है। आईएसएल से बातचीत के दौरान बच्चन ने इसे भारतीय फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और साथ ही आईएसएल और मरीना मचान्स को समर्थन देने के लिए प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। इस लीग की शुरुआत से ही आईएसएल से जुड़े अभिषेक ने कहा, 'इतनी युवा लीग के लिए अपने 10वें सीजन का जश्न मनाना एक अद्भुत उपलब्धि है। हमें सभी हितधारकों, मालिकों, टीमों और खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। यह भारतीय फुटबॉल से जुड़े सभी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह अद्भुत और बहुत गर्व का समय है।' इस मौके पर उन्होंने लीग के सभी प्रशंसकों के लिए जोशीला संदेश देते हुए कहा, 'आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, भारतीय फुटबॉल और चेन्नइयन एफसी का हौसला बढ़ाने के लिए शुक्रिया, और मुझे आशा है कि हम आने वाले कई वर्षों तक गुणवत्तापूर्ण और अच्छी फुटबॉल खेलकर आप सभी का मनोरंजन करते रहेंगे।' चेन्नइयन एफसी ने इस सीजन से पहले गर्मियों में स्कॉटिश रणनीतिकार ओवेन कॉयल को अपना मुख्य कोच नियुक्त करके एक प्रभावशाली कदम उठाया था। इस साल, अपेक्षाकृत युवा टीम के साथ, वह सीजन ब्रेक से पहले चेन्नइयन एफसी को शीर्ष छह टीमों में ले जाने में कामयाब रहे। गुरुवार को आइलैंडर्स के हाथों 0-3 की हार के बावजूद मरीना मचान्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई के मजबूत दावेदार हैं और एक समय में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बच्चन ने कॉयल की कार्यप्रणाली और ट्रैक रिकॉर्ड पर विश्वास व्यक्त करते हुए उनके 'परिवार' को सराहा है।

घर में खेले गए पहले ही मैच में यूपी योद्धाज जीते, बेंगलुरू बुल्स को 1 अंक से हराया

नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के नोएडा चरण के दूसरे मैच में मेजबान यूपी योद्धाज का सामना बेंगलुरू बुल्स से हुआ, जिसे मेजबान टीम ने 34-33 के अंतर से जीत लिया। बुल्स ने सुशील (8 अंक) की बदौलत अंतिम पलों में जोरदार वापसी की लेकिन वह एक अंक से अपनी हार नहीं बचा सकी।

इस मैच में यूपी के लिए परदीप नरवाल ने सुपर-10 लगाया जबकि सुरेंदर गिल ने सात अंक कमाए। बुल्स ने रेडिंग (21 अंक) में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन दो बार आलआउट होना इसे भारी पड़ गया। बुल्स की ओर से सुशील के अलावा भरत ने भी 8 अंक जुटाए।

सीजन की तीसरी जीत ने यूपी को 8वें स्थान पर पहुंचा दिया है। बुल्स को 9 मैचों में छठी हार मिली है। मैच की दूसरी रेड पर परदीप लपके गए और फिर भरत ने यूपी के डिफेंस को गच्चा देकर अपनी टीम को 3-1 की लीड दिला दी लेकिन डिफेंस की गलती के कारण गिल दो अंक लेकर गए और परदीप को रिवाइव कराकर स्कोर बराबर कर दिया। परदीप हालांकि अगली डू ओर डाई रेड पर लपके गए। गिल ने उन्हें फिर रिवाइव करा लिया लेकिन बुल्स के डिफेंस ने उन्हें तीसरी बार लपक लिया। फिर भरत ने रेड अंक के साथ बुल्स को 7-5 से आगे कर दिया लेकिन गिल ने रनिंग हैंड टच के साथ 10 मिनट बीतते-बीतते स्कोर 6-7 कर दिया। ब्रेक के बाद बुल्स ने फिर दो अंकों की लीड बना ली। परदीप 6 मिनट से बाहर थे लेकिन गिल लगातार अंक ले रहे थे लेकिन डू ओर डाई में बुल्स ने उन्हें पहली बार लपक 11-8 की लीड ले ली। यूपी के लिए सुपर टैकल आन था। भरत गए और लपक लिए गए।

मैं खिलाड़ियों से हिंदी में बात करने की कोशिश कर रहा हूं : यू मुंबा कोच घोलमरेज़ा माज़ंदरानी

नोएडा। ईरान के कई खिलाड़ियों ने प्रो कबड्डी लीग में पहचान हासिल की है, वहीं ईरानी घोलमरेज़ा माज़ंदरानी ने भी लीग में कोच के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सीज़न 10 में यू मुंबा के लिए मुख्य कोच के रूप में लौटने के बाद, मज़ंदरानी ने टीम को छह में से चार गेम जीतने में मदद की है और टीम वर्तमान में 21 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। सीज़न 6 में पहली बार यू मुंबा में मुख्य कोच की भूमिका निभाने के अपने अनुभव के बारे में ईरानी ने कहा, छठे सीजन में यू मुंबा टीम को प्रशिक्षित करना मेरे लिए मुश्किल था

क्योंकि मेरे पास बहुत कुछ नहीं था। ईरान के बाहर कोचिंग का अनुभव और मेरी अंग्रेजी अच्छी नहीं थी। लेकिन हमारा संयोजन अच्छा था और टीम ने अच्छा खेला। मैं समझ गया कि मुझे अपनी अंग्रेजी और खेल के बारे में ज्ञान में सुधार करने की जरूरत है। जब उनसे पूछा गया कि यह मौजूदा यू मुंबा टीम में उन खिलाड़ियों तक कैसे पहुंचते हैं, जो अंग्रेजी नहीं समझते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं कुछ खिलाड़ियों तक पहुंचने में सक्षम हूं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को समझना मुश्किल होता है क्योंकि वे अंग्रेजी नहीं समझते हैं। मुझे ठीक से अंग्रेजी नहीं आती। हालांकि, मैं कुछ हिंदी शब्द भी सीखने की कोशिश कर रहा हूं। अभी, मैं नीचे और ऊपर जैसे शब्द जानता हूं। लेकिन मैं सुधार करने और खिलाड़ियों से हिंदी में बात करने की कोशिश कर रहा हूं।

पहले टेस्ट में हार पर बोले मांजरेकर- भारत को मोहम्मद शमी की कमी खली

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारत को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने शुरुआती टेस्ट में मोहम्मद शमी की सेवाएं नहीं मिली। तीन दिन के भीतर एक पारी और 32 रन से हारने के बाद गुरुवार को भारत प्रोटियाज के खिलाफ टेस्ट में अपनी तीसरी सबसे बड़ी हार हो गई। मांजरेकर ने दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर शमी के कौशल पर जोर दिया और कहा कि यह तेज गेंदबाज इन चुनौतीपूर्ण पिचों पर और भी चमकने की क्षमता रखता है। भाग्य ने शमी के लिए कुछ और ही खोजना बनाई थी क्योंकि टखने की गंभीर चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। रेनबो नेशन में शमी का विस्मयकारी रिकॉर्ड उल्लेखनीय से कम नहीं है। आठ मैचों में 35 विकेट और 3.12 की इकोनॉमी रेट के साथ वह लगातार दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के लिए कांटा बने हुए है। उनके प्रभुत्व को दो बार पांच विकेट लेने से रेखांकित किया गया है जो विपक्षी टीम में कहर बरपाने की उनकी क्षमता का प्रमाण है।

ओलंपिक क्वालीफायर से पहले रूपिंदर पाल सिंह ने भारतीय टीम के लिए किया ड्रैग फ्लिकिंग शिविर का आयोजन

बेंगलुरु। प्रसिद्ध ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह वर्तमान में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 5 दिवसीय ड्रैग फ्लिकिंग शिविर आयोजित करने के लिए साई बेंगलुरु में हैं। 27 दिसंबर से शुरू शिविर में रूपिंदर, दीपिका और गुरजीत कौर सहित भारतीय महिला हॉकी टीम के ड्रैग फ्लिकरों की सहायता करेंगे, क्योंकि टीम महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए तैयारी कर रही है।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 13 से 19 जनवरी तक रांची में होने वाला है। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है। इस बीच, पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य शामिल हैं।

चल रहे सत्र को लेकर अनुभवी भारतीय पेशेवर गुरजीत कौर ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, साई बेंगलुरु में 5 दिवसीय ड्रैग फ्लिकिंग शिविर हमारे लिए एक मूल्यवान अनुभव साबित हुआ है।

हम हर दिन नई चीजें सीख रहे हैं और उन विशिष्ट पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके अपने खेल को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है। रूपिंदर ने हमारा मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और समग्र अनुभव केंद्रित तीव्रता वाला रहा है। जैसा कि हम आगामी टूर्नामेंटों के लिए तैयारी कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि यहां सीखे गए सबक मैदान पर हमारे प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

गुरजीत का समर्थन करते हुए युवा भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका ने कहा कि ड्रैग-फ्लिकर के रूप में रूपिंदर का अनुभव उनके लिए अमूल्य रहा है। दीपिका ने कहा, +उन्होंने आज के खेल में पहले रशर्स पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, कि कैसे वे निडर हो गए हैं और गेंद को पहले की तुलना में तेजी से पकड़ते हैं। इसका मुकाबला करने के लिए उन्होंने हमें गेंद को तेजी से उठाने की सलाह दी। हमने उनके दिमाग पर यह भी विचार किया कि पहले दौड़ने वाले को कैसे हराया जाए, यह निर्धारित किया जाए कि दौड़ने वाला किस लाइन का अनुसरण करता है, गेंद को कहां रोकना है, किस कोण से शॉट लेना है, और गलत फंसी गेंदों से कैसे निपटना है। यह शिविर हमें अपने पेनल्टी कॉर्नर को मजबूत करने में मदद करेगा और हमें एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में स्कोर करने का बेहतर मौका देगा। रूपिंदर पाल सिंह ने 2021 में अपनी सेवानिवृत्ति से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए 223 मैचों में 234 गोल किए थे। वह उस टीम के भी एक अभिन्न अंग थे, जिसने टोक्यो 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

फज़ल अत्राचली जैसा कप्तान पाकर खुश हूं ; गुजरात जायंट्स कोच राम मेहर सिंह

नोएडा। करिश्माई फज़ल अत्राचली की कप्तानी में, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाले गुजरात जायंट्स ने प्रो कबड्डी लीग के सीज़न 10 में कुछ शानदार जीत के साथ वर्ष 2023 के अंतिम सप्ताह में एक ठोस शुरुआत की है। यूपी योद्धा और तमिल थलाइवाज के खिलाफ जीत ने उन्हें नए साल की पूर्व संध्या पर बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ मैच से पहले मजबूत स्थिति में ला दिया है। जीत पर कोच राम मेहर सिंह ने कहा, +जबकि विपक्ष ने फज़ल जैसे खिलाड़ियों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया, तमिल थलाइवाज के खिलाफ हमारे खेल में एक बड़ा मोड़ तब आया जब प्रतीक आगे बढ़े। हमने मैच के अधिकांश समय तक प्रभावी खेल खेला और अपनी गलतियों के बावजूद, हम देख सकते थे कि हम ड्राइवर की सीट पर थे।+

उन्होंने कहा,'प्रतीक ने आक्रमण और रक्षात्मक पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई और मैं इससे खुश हूं। राकेश ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। फज़ल को निशाना बनाने वाले विरोधियों ने हमारी मदद की, क्योंकि सोमबीर जैसे खिलाड़ी भी कप्तान की अनुपस्थिति में अपने प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम थे, जब उन्हें बाहर बैठना पड़ा।+

अपने कप्तान के प्रभाव को लेकर, राम मेहर ने बताया कि उनके पास फज़ल जैसे खिलाड़ी का होना बहुत मददगार है। उन्होंने कहा, कप्तान हमेशा खिलाड़ियों को प्रेरित करते रहते हैं, चाहे वह मैच में हो या प्रशिक्षण सत्र के दौरान, कप्तान लगातार खिलाड़ियों की पीठ थपथपाते रहते हैं। भले ही कोच किसी गलती के लिए उन पर थोड़ा सख्त रहा हो। फज़ल सभी कप्तानों के लिए एक उदाहरण हैं, यहां तक कि खेल में नए लोगों के लिए भी। मैं उनके जैसा कप्तान पाकर खुश हूं। मेरे कप्तान जब मैट पर होते हैं तो अपने अनुभव के कारण अक्सर कोचिंग जैसी भूमिका निभाते हैं। जब अहमदाबाद में प्रतियोगिता शुरू हुई तो गुजरात जायंट्स सबसे गतिशील टीम थी, और वे साल का समापन शानदार तरीके से करने के लिए उत्सुक हैं, और कप्तान खुश हैं कि टीम में हर कोई आवश्यकता पड़ने पर आगे बढ़ रहा है। कप्तान ने कहा, हम एक टीम के रूप में खेल रहे हैं और तमिल थलाइवाज मुझ पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे थे, लेकिन उस समय अन्य सदस्यों को आते और अंक हासिल करते देखना अच्छा था। कप्तान ने कहा, 'हमारे अगले प्रशिक्षण सत्र से हमारा ध्यान बंगाल वॉरियर्स पर होगा, लेकिन मुझे लगता है कि अब हम एक इकाई के रूप में बेहतर खेल रहे हैं, इसलिए रक्षात्मक पक्ष में चीजें अधिक नियंत्रण में हैं। और बंगाल वॉरियर्स टीम के साथ, मनिंदर को शांत रखने की जरूरत है, अगर वह अच्छा करता है, तो वे अच्छा करते हैं। वहीं हमारे लिए, अगर प्रतीक अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है, तो रोहित करेगा या राकेश करेगा और मुझे लगता है कि हम अच्छी जगह पर हैं।'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 79 रन से हराया, 3 मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की

मेलबर्न। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 79 रनों से हराकर तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला टेस्ट 360 रनों से जीता था। दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक खेला जाएगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 318 रन बनाए थे, जवाब में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 264 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया ने 54 रनों की बढ़त हासिल की और फिर अपनी दूसरी पारी में 262 रन बनाए और पाकिस्तान के सामने 317 रनों का लक्ष्य रखा। 317 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और केवल 49 रनों के कुल स्कोर पर दोनों सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक (04) और इमाम उल हक (12) पवेलियन लौट गए। शफीक को स्टार्क ने और इमाम को कमिंस ने पवेलियन भेजा। इसके बाद कप्तान शान मसूद और बाबर आजम ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया 110 के कुल स्कोर पर मसूद को कमिंस ने पवेलियन की राह दिखाई। मसूद ने 71 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 60 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। 146 के कुल स्कोर पर बाबर आजम 41 रन बनाकर जोश हेजलवुड की गेंद पर बोल्ड हुए। 146 रन पर चार विकेट खोने के बाद संकट में दिख रही पाकिस्तानी टीम को सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने वापसी दिलाने की कोशिश की, हालांकि 162 के कुल स्कोर पर शकील 24 रन बनाकर स्टार्क की गेंद पर चलते बने। यहां से रिजवान और आगा सलमान ने मिलकर पाकिस्तान का स्कोर 200 के पार पहुंचाया, 219 के कुल स्कोर पर कमिंस ने रिजवान को आउट कर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। रिजवान ने 35 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और पूरी टीम 237 रनों पर सिमट गई, मात्र 18 रनों के भीतर 5 विकेट गंवा दिये और 79 रनों से मैच गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 5, मिचेल स्टार्क ने 4 और जोश हेजलवुड ने 1 विकेट लिया।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 31 दिसंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

विकास के क्षितिज पर नई अयोध्या का उदय

पीएम मोदी ने 15,700 करोड़ की 46 बड़ी परियोजनाएं कीं समर्पित, राम की नगरी से पीएम ने देश को दिया विकास का नया संदेश

टीम एक्शन/इंडिया/अयोध्या

विकास के क्षितिज पर शनिवार से नई अयोध्या का उदय हुआ, जब प्रधानमंत्री ने राम नगरी से 15,700 करोड़ की 46 बड़ी परियोजनाएं अयोध्या- प्रदेश व देश को समर्पित की। इसी के साथ विकास के नए युग का प्रारंभ हो गया। त्रेता युग में पुष्पक विमान वाली अयोध्या को कलियुग में शंखनाद व राजा राजा के उद्घोष संग महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सौगात मिल गई। अयोध्या से बड़ा कोई धाम नहीं, राम से बड़ा कोई नाम नहीं। यहां लघु फिल्म के जरिए अयोध्या की विकास यात्रा दिखाई गई।

लोकार्पित होने वाली अन्य प्रमुख परियोजनाएं

- अमेठी के त्रिसुंडी रिफाइनरी की 11 टीएमटीपीए से 60 टीएमटीपीए तक क्षमता उच्चीकरण
- जाजमऊ टेनरी कलस्टर के लिए 20 एमएलडी सीईटीपी की स्थापना
- कानपुर के पनखा में 30 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का विकास
- जाजमऊ जोन में 130 एमएलडी एसटीपी तथा सीवेज ट्रीटमेंट अवस्थापना सुविधाओं का पुनर्विकास
- एनएच-330 ए का जगदीशपुर-फैजाबाद खंड
- एनएच-730 के खुटार-लखीमपुर खंड के किमी 82 से किमी 140 तक का सुदृढीकरण एवं उच्चीकरण एनएच- 233 के गोसाई का बाजार बाईपास (किमी 240.350) से वाराणसी (किमी 299.350) तक फोर लेन
- जौनपुर-अयोध्या-बाराबंकी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत चार खंडों का दोहरीकरण
- मल्हौर-डालीगंज रेलखंड का विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण
- राम पथ (सहादतगंज से नया घाट तक)
- भक्ति पथ (अयोध्या मुख्य मार्ग से हनुमान गढ़ी होते हुए श्री राम जन्मभूमि तक)
- धर्म पथ (एनएच-27 से नया घाट पुराने पुल तक)
- राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
- एनएच-27 बाईपास महोबरा बाजार होते हुए टेढ़ी बाजार श्रीराम जन्मभूमि तक 4 लेन सड़क
- महर्षि अरुंधति पार्किंग एवं व्यावसायिक संकुल (पूर्वी एवं पश्चिमी)
- सहादतगंज- नया मार्ग घाट-श्री राम जन्मभूमि तक सड़क
- कलेक्ट्रेट में लक्ष्मण कुंज स्मार्ट वाहन बहुमंजिला पार्किंग
- सोहावल क्षेत्र के ग्रामसभा-पिखरौली में सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट
- अमानीगंज में वाहन पार्किंग एवं व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स
- बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिगामी सेतु
- अयोध्या-सुलतानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-330 से एयरपोर्ट तक 4 लेन सड़क

शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं

- एनएच-27 के लखनऊ-अयोध्या खंड में किमी 8.000 से किमी 121.600 तक का ईपीसी मोड में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण
- एनएच-27 पर अयोध्या बाईपास के किमी 121.600 से किमी 144.020 तक ईपीसी मोड में चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण
- ग्रीनफील्ड टाउनशिप परियोजना

पीएम ने लता मंगेशकर चौक पर पहुंचकर किया जनता का अभिवादन

टीम एक्शन/इंडिया/अयोध्या

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के उपरांत वापस एयरपोर्ट लौटते समय प्रधानमंत्री सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर चौक गए। गौरतलब है कि लता मंगेशकर के जन्मदिवस पर 28 सितंबर 2022 को इसका उद्घाटन किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में मौजूद थे। यहां 14 टन वजनी व 40 फीट लम्बी वीणा लगाई गई है। शनिवार को यहां वीणा के पास पहली बार पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाव विभोर हो गए। उन्होंने वीणा को निहारकर यहां की अलौकिक छवि का दीदार किया। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसकी विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने अयोध्या के समूचे जनमानस का यहीं से अभिवादन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां देख जनता भी अभिभूत हो गई। यहां प्रभु सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के सुरों में श्रीराम के भजन भी गूंज रहे थे।

अयोध्या में मीरा के घर अचानक चाय पीने पहुंचे पीएम मोदी

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी की छवि ऐसे जनप्रिय नेता की है, जो सीधे जनता से संवाद करते हैं। इस बात की झलक शनिवार को अयोध्या में भी देखने को मिली, जब वे पीएम उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर अचानक पहुंच गए। पीएम ने योजना की लाभार्थी के आवास पर चाय भी पी और उनसे संक्षिप्त बातचीत की। पीएम का यह कार्यक्रम पहले से निर्धारित नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मीरा के घर अचानक पहुंचने पर पूरी बस्ती के लोग हैरान रह गए। पीएम के पहुंचने पर पूरा क्षेत्र मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा।

पीएम मोदी के दीदार को समूची अयोध्या उमड़ पड़ी

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

कड़ाके की ठंड भी अयोध्यावासियों का हौसला न डिगा सकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीदार को समूची अयोध्या उमड़ पड़ी। रामनगरी में अभूतपूर्व स्वागत स्वागत से अभिभूत नरेंद्र मोदी ने भी शीश झुकाकर अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। आलम यह रहा कि मोदी की मुस्कान पर फिदा रामनगरी ने गुलाब की पंखुड़ियों संग उनका स्वागत किया और मोदी-मोदी की गूंज से अयोध्या को गुंजायमान कर दिया। रास्तों में लगे फूलों की खुशबू में भी आज अलग ही महक थी, क्योंकि अयोध्या के पुनर्विकास के नायक खुद यहां मौजूद रहे।

अयोध्या में आज अलग ही उमंगः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर अलग ही उमंग अयोध्यवासियों के मन में था। बच्चों हो या बुजुर्ग, महिलाएं हों या युवतियां, सभी पीएम मोदी की एक झलक पाने को आतुर दिखीं। धर्मपथ से लेकर रामपथ होते हुए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचने के दौरान बच्चे भी जय जय श्रीराम के साथ मोदी-मोदी की गूंज करते रहे। पीएम मोदी ने भी बच्चों को निराश नहीं किया। वे भी यहां के लोगों का अभिवादन करते रहे।

मोदी को देख खिल उठे अयोध्या के जनमानस के चेहरेः रोड शो में पीएम मोदी के चेहरे पर मुस्कान रही, जिसने समूचे अयोध्यावासियों का दिल जीत लिया। मोदी की मुस्कान पर फिदा अयोध्या में मोदी-मोदी की गूंज सुनाई दी। अयोध्या की सड़कों पर मोदी का यह स्वागत और भी महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि इसके बाद मोदी जब आएंगे तो रामलला को उनके दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान करेंगे।\

लता चौक पर साधु-संतों ने की पुष्पवर्षा : यूं तो पूरे रोड शो के दौरान पीएम पर जोरदार पुष्पवर्षा हुई, लेकिन लता चौक पर भी साधु-संतों ने पीएम मोदी पर पुष्पवर्षा भी की और उन्होंने आशीर्वाद भी दिया। अयोध्या की नई पहचान बन चुके लता चौक पर भी आम जनमानस की भीड़ ने जोरदार स्वागत किया। यहीं से पीएम अयोध्या रेलवे स्टेशन के लिए मुड़े तो यहां फूलों से बनी गणपति की छवि काफी आकर्षित कर रही थी। वैसे, आज अयोध्या का श्रृंगार काफी अद्भुत था। जिसने भी देखा, यह श्रृंगार देख मनमोह उठा। रास्ते-रास्ते में बने तोरणद्वार और संत-साधु और आमजन ने अपने मन में भी मोदी को बसा लिया।

पीएम मोदी के स्वागत में लोक कलाकारों ने बांधा समांः पीएम मोदी के रोड शो के दौरान कुल 50 मंच बनाए गए थे जिसमें 1400 से कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। इसके अतिरिक्त, लता चौक पर एक विशाल मंच बनाया गया था।

सीएम विष्णु देव ने अयोध्या के लिए 300 मीट्रिक सुगंधित चावल किया रवाना

टीम एक्शन इंडिया/रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुगंधित चावल अर्पण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्री राम मंदिर परिसर से 300 मीट्रिक टन चावल से भरे 11 ट्रकों को झंडी दिखाकर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए रवाना किया। सुगंधित चावल अर्पण समारोह में राईस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से जन्मभूमि अयोध्या के लिए सुगंधित चावल भेजा गया है। श्रीराम मंदिर में मुख्यमंत्री श्री साय ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ भगवान श्रीराम, माता जानकी और भगवान लक्ष्मण की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर सांसद सुनील सोनी, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

चावल अर्पण

छत्तीसगढ़ के सुगंधित चावल से 22 जनवरी को महकेगा अयोध्या का प्रसाद, हरी झंडी दिखाई

हनुमान चालीसा के पाठ से गूंजा विमान...जमीं से लेकर आसमां तक राम ही राम...

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद अयोध्या धाम एयरपोर्ट से एक शानदार वीडियो सामने आया है।

विमान के अंदर हनुमान चालीसा का पाठः दरअसल, महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे अयोध्या धाम की उद्घाटन के दौरान एयरपोर्ट से जब विमान उड़ा तो अंदर मौजूद लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान के अंदर मौजूद लोग हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

अयोध्या दौरे पर पीएम मोदीः बता दें कि पीएम मोदी आज अयोध्या दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने आज अयोध्या को कई सौगातें भेंट की हैं।

'बस प्रभु राम को चुनाव में उम्मीदवार घोषित करना बाकी'

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

नेता संजय राउत ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। दरअसल, उन्होंने भाजपा और पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि भाजपा के लिए एकमात्र चीज 2024 में लोकसभा चुनाव के लिए भगवान राम को अपना उम्मीदवार घोषित करना है।

अयोध्या दौरे को लेकर पीएम मोदी पर तंजः संजय राउत ने यह तंज प्रधानमंत्री मोदी के अयोध्या दौरे को लेकर कसा है।

संजय राउत ने कहा, "अब भाजपा की ओर से 22 जनवरी को ऐलान होगा कि हम प्रभु श्री राम को चुनाव में खड़ा कर रहे हैं, सिर्फ यही बाकी रह गया है। राम जी के नाम पर इतनी राजनीति हो रही है कि सिर्फ यही कहना बाकी है कि हमारे उम्मीदवार श्री राम होंगे।"

आभार व्यक्त केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या को सुर्खियों में ला सकते थेः सांसद महेंद

मॉरीशस के सांसद ने पीएम मोदी की तारीफ में पढ़े कसीदे

विकास कार्य

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

मॉरीशस के सांसद महेंद गंगाप्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि केवल पीएम मोदी ही अयोध्या को फिर से सुर्खियों में ला सकते थे और उन्होंने ऐसा किया भी है। मॉरीशस में लेबर पार्टी के सांसद गंगाप्रसाद इस समय भारत में हैं।

'हमें मोदी जी पर गर्व है': गंगाप्रसाद ने कहा, "आप कल्पना नहीं कर सकते कि मुझे कितना गर्व महसूस हो रहा है। हिंदू धर्म के अधिकांश मॉरीशसवासी बहुत खुश और गौरवान्वित हैं कि आज रामजी का मंदिर उसी स्थान पर है जहां उनका जन्म हुआ था।" उन्होंने कहा, "मैं सच कह रहा हूं कि केवल मोदी ही अयोध्या को फिर से सुर्खियों में ला सकते थे, जैसा कि उन्होंने किया है। जिस तरह से मंदिर बनाया जा रहा है और बनाया गया है, आपने जो किया उसके लिए हमें मोदी जी पर गर्व है।"

शिक्षा क्षेत्र के प्रयासों के लिए सराहाः गंगाप्रसाद ने शिक्षा क्षेत्र में पीएम मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, "उनके कार्यकाल में शिक्षा क्षेत्र फला-फूला है और हम इसे हर क्षेत्र में देख सकते हैं। छात्र विश्वविद्यालयों और स्कूलों से बाहर आ रहे थे। वे नए भारत, नई शिक्षा प्रणाली को दशार्ते हैं और इसके लिए मैं मोदी जी को बधाई देना चाहता हूं।"

'भारत की नियति और छवि को बदला': गंगाप्रसाद ने पीएम मोदी को 'करिश्माई नेता' बताते हुए उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने भारत, भारत की नियति और भारत की छवि को बदल दिया है। उन्होंने कहा, "आज, लोग भारत की ओर देखते हैं और मुझे लगता है कि एक व्यक्ति जो हमारे आभार और हमारी प्रशंसा का हकदार है, वह नरेंद्र मोदी हैं।"

"आप कल्पना नहीं कर सकते कि मुझे कितना गर्व महसूस हो रहा है। मॉरीशसवासी बहुत खुश हैं"

उन्होंने कहा कि यह नया भारत केवल उनके दृष्टिकोण के कारण ही संभव हो पाया है।

भारत-मॉरीशस संबंध होंगे मजबूतः भारत-मॉरीशस संबंधों पर प्रकाश डालते हुए गंगाप्रसाद ने कहा कि रिश्ते को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "हम मॉरीशस वासियों का भारत के साथ हमेशा बहुत अच्छा रिश्ता रहा है और मोदी के कार्यकाल में यह रिश्ता और मजबूत हो रहा है और इसके लिए मैं नरेंद्र मोदी का आभारी हूं।" गंगाप्रसाद ने कहा, "मोदी है तो मुमकिन है।" अयोध्या शहर भव्य प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार हो रहा है।